संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -318 गुरूवार ,21 सितम्बर 2023, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

बहुमत से पारित हुआ महिला आरक्षण विधेयक

विरोध में महज दो ही मत पड़े

केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा लाया गया नारी शक्ति वंदन विधेयक लोकसभा में पारित हुआ... अत्याधुनिक सुविधाओं वाली नई संसद के निचले सदन से पारित होने वाला यह पहला विधेयक है...

» **सोनिया-स्मृति सहित 60 सदस्यों ने लिया चर्चा में हिस्सा...**

» **महिला आरक्षक विधेयक के पक्ष में पड़े 454 मत...**

नई दिल्ली,20 सितम्बर 2023(ए)।
केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा लाया गया नारी शक्ति वंदन विधेयक लोकसभा में पारित हुआ। अत्याधुनिक सुविधाओं वाली नई संसद के निचले सदन से पारित होने वाला यह पहला विधेयक है। इस विधेयक को विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने मंगलवार को लोकसभा में पेश किया था।

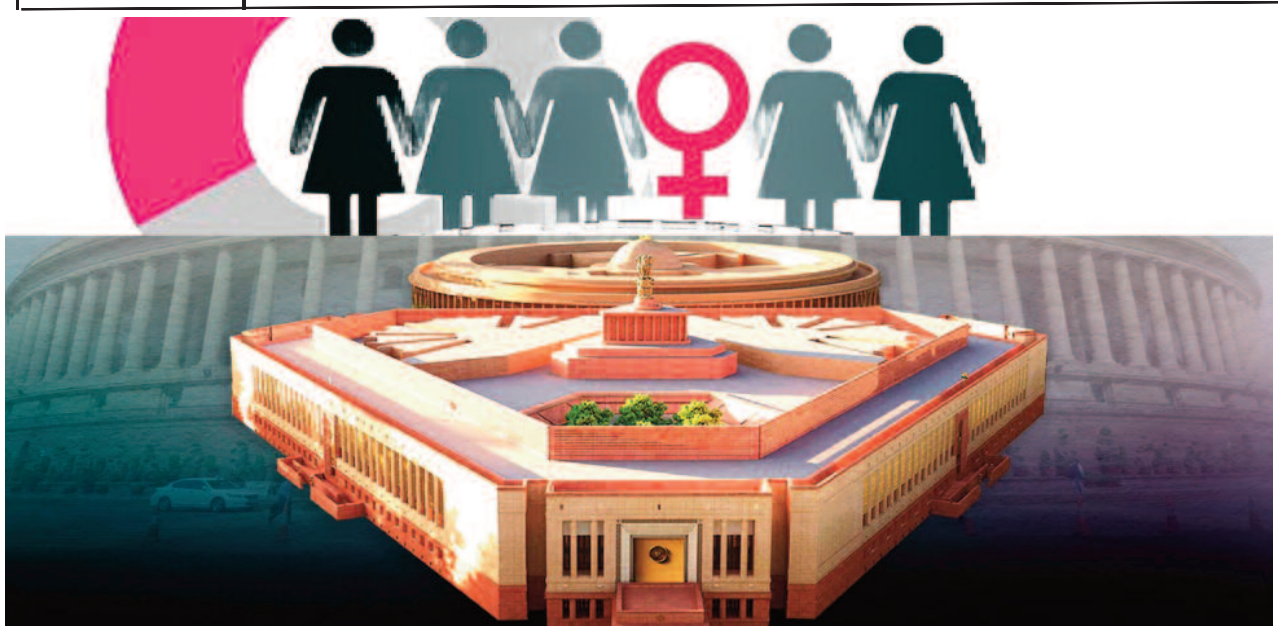

विधेयक पर पर्ची से हुई वोटिंग

लोकसभा में नारी शक्ति वंदन विधेयक पर पर्ची से वोटिंग कराई गई। विधेयक के पक्ष में 454 मत, जबकि दो मत खिलाफ में पड़े। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने दो तिहाई बहुमत से विधेयक के पारित होने की जानकारी साझा की।

लोकसभा में नारी शक्ति वंदन विधेयक को लेकर हुई चर्चा में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, रायबरेली सांसद और कांग्रेस की पूर्व अध्यक्षा सोनिया गांधी सहित 60 सदस्यों ने हिस्सा लिया। विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने रानी दुर्गावती, रानी चेन्नम्मा, रानी अहिल्याबाई, रानी लक्ष्मी जैसी असंख्य वीरांगनाओं का उल्लेख किया। सनद रहे कि केंद्र सरकार ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसद सीटें आरक्षित करने वाला एक संवैधानिक संशोधन विधेयक पेश किया था, जो लोकसभा में पारित हो गया। इस विधेयक को नारी शक्ति वंदन विधेयक नाम दिया गया।

पुराने संसद भवन का नाम अब होगा 'संविधान सदन'

नई दिल्ली,20 सितम्बर 2023(ए)।
भारतीय संसद की कार्यवाही मंगलवार से नए संसद भवन में शुरू हो गई है और अब पुराने संसद भवन को 'संविधान सदन' का नया नाम दे दिया गया है।लोकसभा सचिवालय ने पुराने संसद भवन को 'संविधान सदन' का नया नाम देने को लेकर अधिसूचना जारी करते हुए कहा, लोकसभा अध्यक्ष, भूखंड संख्या 116, नई दिल्ली में स्थित भवन, जिसे पहले संसद भवन कहा जाता था और जिसके उत्तर-पश्चिम में लोकसभा मार्ग और दक्षिण-पश्चिम में राज्यसभा मार्ग है, को आज से 'संविधान सदन' के रूप अधिसूचित करते हैं। बता दें कि दिन में सेंट्रल हॉल में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ और लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से पुराने संसद भवन की गरिमा और महत्व को बरकरार रखने का अनुरोध करते हुए यह नाम रखने का सुझाव दिया था। नए संसद भवन में लोकसभा की कार्यवाही के पहले दिन सदन का संचालन करते समय लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने सदन को सूचित किया कि पुराने संसद भवन को अब 'संविधान सदन' के रूप में जाना जाएगा और बाद में लोकसभा सचिवालय ने महासचिव उत्पल कुमार सिंह के हस्ताक्षर से नए नाम को लेकर अधिसूचना भी जारी कर दी।

श्री राम मंदिर को बम से उड़ाने की मिली धमकी

» **पुलिस प्रशासन में मचा हड़कंप**

अयोध्या,20 सितम्बर 2023(ए)।
यूपी के अयोध्या में स्थित भगवान श्री राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से जिला और पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। दरअसल, 19 सितंबर की शाम को लखनऊ कंट्रोल रूम में किसी ने कॉल कर मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी दे दी। धमकी मिलते ही लखनऊ और अयोध्या पुलिस सक्रिय हो गई और अयोध्या पुलिस ने श्री राम मंदिर के आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम कर दिए। वहीं, धमकी देने वाले नंबर को पुलिस ने ट्रेस कर लिया, नंबर बरेली का निकला। इसके बाद लखनऊ पुलिस ने बरेली पुलिस को कॉल कर धमकी देने वाले नंबर की जानकारी दी। जांच के दौरान पता चला कि नंबर बरेली के फतेहगंज पूर्वी के रहने वाले इटौरिया निवासी गिरीश के नाम पर दर्ज है। एसओजी और सर्विलांस की टीम रात में गिरीश के पर पहुंची।

गिरीश ने बताया कि जिस समय कॉल की थी, उस समय फोन उनके बच्चे के पास था। बच्चे की उम्र 14 साल है। वह 8वीं का छात्र है, पढ़ाई की वजह से उसने परिजनों से फोन लिया था। पुलिस की पूछताछ में छात्र ने बताया कि उसने यू-टयूब वीडियो देखकर मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी दी थी। फिलहाल पुलिस छात्र को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

हार्ट अटैक आने के बावजूद स्टेयरिंग थामा रहा बस ड्राइवर

बचाई 40 छात्रों की जान

मुंबई,20 सितम्बर 2023(ए)। स्कूल बस चालक को अचानक दिल का दौरा पड़ गया। लेकिन, चालक ने बस में यात्रा कर रहे 40 बच्चों का बचा लिया। बस बुधवार को आंध्र प्रदेश के बापटला जिले में छात्रों को ले जा रही थी। 53 वर्षीय गुर्राला एडुकोंडालू बस को मायलावरम, उप्पलापाडु और वेम्पारा गांवों से होते हुए अडांकी शहर में एक निजी स्कूल ले जा रहा था। तभी रास्ते में यह घटना हो गई। पुलिस के मुताबिक, उप्पलपाडु से आगे बढ़ने के बाद बस ड्राइवर को दिल का दौरा पड़ा। लेकिन,बेहोश होने से पहले, कुछ ही सेकंड में चालक ने बस को रोक दिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। स्थानीय लोगों ने बस चालक को तत्काल अस्पताल पहुंचाया,जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। छात्रों को उसी बस में दूसरे ड्राइवर द्वारा स्कूल ले जाया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

दोनों देशों ने अपने नागरिकों को किया सतर्क एडवाइजरी जारी

भारत ने कनाडा में रहने वाले भारतीयों के लिए जारी की एडवाइजरी,कनाडा सुरक्षित नहीं स्टूडेंट्स ज्यादा सतर्क रहें

नई दिल्ली,20 सितम्बर 2023(ए)।
खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मुद्दे पर भारत और कनाडा के बीच रिश्ते और तल्ख़ हो चुके हैं। दोनों देशों के बिच तनाव बढ़ता जा रहा है कनाडा के बाद भारत ने भी अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी कर सतर्क रहने को कहा है।

कनाडा ने मंगलवार को अपने नागरिकों को भारत के कुछ खास हिस्सों में न जाने के लिए एडवाइजरी जारी की। बुधवार को भारत ने भी इसी तरह की एडवाइजरी जारी कर दी।

भारत ने कनाडा में खालिस्तान समर्थकों की गतिविधियों पर चिंता जताई थी। कनाडा से रिश्ते तल्ख होने के बाद भारत ने यह एडवाइजरी जारी की है। बता दें कि भारत के सबसे ज्यादा सिख कनाडा में रहते है। कनाडा की कुल आबादी तकरीबन 3 करोड़ 82 लाख है। इनमें से 2.6त्न यानी 9 लाख 42 हजार 170 पंजाबी हैं। पंजाब से हर साल औसतन 50 हजार युवा पढ़ने के लिए विदेश जाते हैं।

कनाडा की सरकार ने शीर्ष भारतीय राजनयिक को देश ने निष्कासित कर दिया है। वहीं जवाबी कार्रवाई में भारत ने भी कनाडा के राजनयिक को सस्पेंड कर दिया और पांच दिन के अंदर देश छोड़ने के लिए कहा।

कनाडा छोड़ो,भारत जाओ

सिख फॉर जस्टिस के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू ने भारतीय-कनाडाई हिंदुओं को धमकी दी है। भारत और कनाडा के बीच राजनयिक विवाद के बीच पन्नू का ये वीडियो वायरल हुआ है। इस वीडियो में पन्नू को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि भारत-कनाडाई हिंदुओं, आपने कनाडा और कनाडाई संविधान के प्रति अपनी निष्ठा को अस्वीकार कर दिया है। आपकी मंजिल भारत है। कनाडा छोड़ो, भारत जाओ।खालिस्तानियों ने भारतीय राजनयिकों और नेताओं को भी खुलेआम धमकी दी है।

होटल आईएनएन में सैक्स रैकेट का भंडाफोड़

» **आपत्तिजनक हालत में पकड़े गए कई युवक-युवतियां**

» **मामले के तार कहां-कहां तक जुड़े है, जल्द होगा खुलासा**

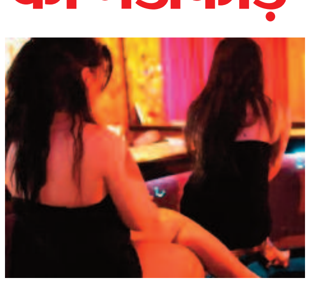

पटना,20 सितम्बर 2023(ए)।
पटना के बिहटा में पटना पुलिस ने एक निजी होटल में छापेमारी करते हुए अवैध रूप से सेक्स रैकेट चलाए जाने का पर्दाफाश किया है. पुलिस ने एक दर्जन से अधिक युवतियों को पकड़ा है. साथ ही एक दर्जन से अधिक पुरुषो को हिरासत में लिया है. यह छापेमारी ग्रामीणों के सूचना पर गई. पुलिस मामले की जांच कर रही है. मामले पर जानकारी देते हुए डीएसपी डॉ. अनू कुमारी ने बताया कि कई दिनों से पुलिस को ग्रामीणों द्वारा सूचना मिल रहीथी कि बिहटा स्थित होटल प्रिंस इन में सैक्स रैकेट चलाया जा रहा है. ग्रामीणों ने बताया था कि होटल में कई सारे युवक-युवतियों का आना जाना लगा रहता है.

सूचना मिलने के बाद पटना पुलिस की टीम का गठन किया गया और होटल में रेड मारी गई. मौके पर पहुंचकर देखा तो होटल के कमरों कई सारे युवक-युवतियां आपत्तिजनक हालत में पाए गए. एक दर्जन युवतियों को पकड़ा है साथ ही एक दर्जन से अधिक युवकों को भी होटल के हिरासत में लिया गया है. होटल के कई सारी आपत्तिजनक चीजें भी मिली हैं. डीएसपी के मुताबिक, होटल संचालक द्वारा ही यह सैक्स रैकेट चला जा रहा था. युवतियों के बारे में जानकारी निकाली जा रही है. पता लगाया जा रहा है कि इन मामले के तार कहां-कहां तक जुड़े हुए हैं. मामले में आगे की कार्रवाई जा रही है.

नई संसद की संविधान की प्रति में 'समाजवादी', 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द नहीं हैं:अधीर रंजन चौधरी

» **नए भवन में प्रवेश करने पर संविधान की प्रतियां बांटी गई**

नई दिल्ली,20 सितम्बर 2023(ए)।
नई संसद में विशेष सत्र शुरू हो गया है। नए संसद भवन में प्रवेश करते समय सभी को संविधान की प्रतियां दी गई। अब इस पर नया विवाद शुरू हो गया है। लोकसभा में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने दावा किया है कि संविधान की नई प्रति की प्रस्तावना में 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द मौजूद नहीं हैं।
सांसद अधीर चौधरी ने कहा कि कल संविधान की नई प्रतियां दी गई। इसकी प्रस्तावना में 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द हैं। वे जानते हैं कि ये शब्द 1976 में संशोधन के बाद जोड़े गए थे, लेकिन अगर आज कोई हमें संविधान देता है और उसमें ये शब्द नहीं हैं।

चौधरी ने यह भी कहा कि उनकी मंशा संदिग्ध है। यह बहुत ही चतुराई से किया गया है। यही चिंता की बात है। चौधरी ने यह भी कहा, मैंने इस मुद्दे पर संसद में बोलने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने मुझे बोलने का मौका नहीं दिया। संसद की नई इमारत ने मंगलवार को पहली बार अपने दरवाजे खोले।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ विभिन्न दलों के सांसदों ने नए संसद भवन में प्रवेश किया और संसद की कार्यवाही भी नए संसद भवन में आयोजित की गई। शाह ने यह भी कहा कि अधीर रंजन चौधरी को अपने शब्द वापस लेने चाहिए। इससे लोकसभा में कुछ देर के लिए हंगामा हुआ। चर्चा के दौरान अधीर रंजन चौधरी ने उपसभापति की अनुपस्थिति को लेकर भी सवाल उठाया।

लवर को चर्म रोग होने पर प्रेमिका ने बनाई दूरी तो प्रेमी ने कर दी हत्या

पन्ना,20 सितम्बर 2023(ए)। पन्ना जिले में प्रेमी ने प्रेमिका की चाकू गोदकर हत्या कर दी. आरोप है कि प्रेमी प्रेमिका पर शादी के लिए दबाव बना रहा था. मगर, प्रेमी को चर्म रोग होने के कारण प्रेमिका ने उससे दूरी बना ली थी. साथ ही उसने शादी से इनकार कर दिया था. गुस्साए युवक ने धारदार हथियार से युवती की हत्या कर दी. उसका चेहरा भी पत्थर से कुचल दिया. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है.

जानकारी के मुताबिक, सपना (बदला हुआ नाम) ने एक महीने पहले 12 अगस्त को जिले के शाहनागर विकासखंड के शासकीय प्राथमिक ला शाहपुर के कला मड़ैयन में संविदा शिक्षक की नौकरी ज्वाइन की थी. 13 सितंबर को वह स्कूल के लिए निकली थी. शाम होने तक घर नहीं पहुंची. इस पर परिजनों ने सपना की तलाश शुरू की. परिवार के लोग स्कूल भी पहुंचे और इलाके में पूछताछ भी की. तब खुलासा हुआ कि सपना 13 सितंबर को स्कूल पहुंची ही नहीं. खबराए परिजनों ने थाने में सपना की गुमशुदगी दर्ज कराई. पुलिस ने एफ आई आर दर्ज कर सपना की तलाश शुरू की थी. तीन दिन बाद पुलिस को जानकारी मिली की पन्ना-कटनी रोड पर निर्माणाधीन टोलप्लाजा के पास रितुआ के जंगल में लड़की की लाश पड़ी हुई है. मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की कब्जे में लिया, जिसकी पहचान सपना के रूप हुई. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा. वहीं, बेटी की मौत की खबर पाकर परिवार में मातम छा गया.

सुरक्षा बलों और नागरिकों के बीच हिंसक झड़प,10 से अधिक लोगों की मौत

जुबा ,20 सितम्बर 2023(ए)।
पूर्वी दक्षिण सूडान में ग्रेटर पिबोर प्रशासनिक क्षेत्र (जीपीएए) के पोचल्ला शहर में 2 दिनों की झड़पों के बाद कम से कम 10 नागरिक और सुरक्षा अधिकारी मारे गए हैं। सेना ने यह जानकारी दी।
दक्षिण सूडानी सेना के प्रवक्ता लुल रुई कोआंग ने बताया कि झड़पें उस समय शुरू हुई जब सेना ने हिरासत से भागे एक अधिकारी का पीछा किया। उन्होंने कहा कि भागने वाला व्यक्ति अपने पूर्व कमांडर, ओकोनी ओकवोम ओथोव के घर में छिप गया था, जो खुद को दूसरे स्टेशन पर तैनात करने के आदेश से इनकार करने के बाद मई में ड्यूटी से भाग गया था। कोआंग ने दक्षिण सूडान की राजधानी जुबा में एक साक्षात्कार में कहा कि जब भी कोई सैनिक कोई अपराध करता है या वैध आदेशों की अवज्ञा करता है तो ओकवॉम को रिपोर्ट करता है।

पूरे नए चेहरे को मिल सकती है टिकट

बीजेपी की दूसरी लिस्ट पर लग रही है अटकलें

रायपुर,20 सितम्बर 2023(ए)।
साल के अंत में छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव होने हैं. छत्तीसगढ़ बीजेपी ने अपने प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी कर दी है. इसमें 21 नामों पर मुहर लगाई गई है. सामने आ रहा है कि बिलासपुर जिले की विधानसभा सीटों पर इस पर बीजेपी अपने प्रत्याशियों को बदल सकती है. पुराने चेहरों की जगह नए लोगों को टिकट दिया जाएगा. बिलासपुर जिले को लोकसभा सीट के हिसाब से देखा जाए तो यहां 8 विधानसभा सीट हैं. कहा जा रहा है कि इनमें से चार विधानसभा सीटों पर भारतीय जनता पार्टी अपने प्रत्याशी बदल सकती है. मौजूदा राजनीतिक समीकरण देखें तो स्पष्ट हो जाता है कि जहां प्रत्याशी बदले जाने से जीत को बरकरार रखा जा सकता है. उन सीटों पर नए लोगों को उतारा जाएगा. अब पार्टी के लोगों को दूसरी सूची का इंतजार है. जीतने वाले प्रत्याशियों की तलाश भारतीय जनता पार्टी गाइडलाइंस के अनुसार लगातार कर रही है.

बीजेपी की केंद्रीय चुनाव समिति के बैठक में मुख्य सीटों को लेकर काफी गहन चर्चा की गई. सूत्रों की मानें तो राज्यों की सीटों को चार कैटेगिरी में बांटा गया है. इन्हें ए,बी,सी और डी कैटेगरी में रखकर चर्चा हुई. टिकट बंटवारे को आसान बनाने के लिए विधानसभा सीटों को 4 हिस्सों में बांट दिया गया है ए कैटेगरी में उन सीटों को रखा गया है, जिस पर भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार अक्सर जीत हासिल करते हैं. बी कैटेगरी में उन सीटों को रखा गया है, जिनमें हार और जीत पिछले चुनाव में हो रही है. सी कैटेगरी में उन विधानसभा क्षेत्रों को रखा गया है जिसमें पार्टी के उम्मीद दो बार हार चुके. वहीं, डी कैटेगरी में उन सीटों को रखा गया है, जहां बीजेपी कभी नहीं जीती और जिन पर उनकी स्थिति काफी खराब रही है.

संपादकीय

सतर्कता की जरूरत है

कोविड-19 के दौरान जैसी अफरातफरी से इस देश को गुजरना पड़ा था, उसके बाद किसी भी ऐसे खतरे को हलके से नहीं लिया जा सकता। इसलिए निपाह संक्रमण से निपटने की तैयारी की समीक्षा के लिए केंद्र को तुरंत पहल करनी चाहिए।

निपाह वायरस का संक्रमण हालांकि अभी महामारी नहीं बना है, लेकिन जिस तरह संक्रमित व्यक्तियों के संपर्क में आने वाले लोगों की संख्या बढ़ने की खबर आ रही है, उसे देखते हुए उचित यही होगा कि सारे देश में सतर्कता बरती जाए। अभी खबर सिर्फ केरल के कोझिकोड जिले से आई है। मगर डॉक्टरों ने ध्यान दिलाया है कि जिन फलाहारी चमगादड़ों (फ्रूट बैट) के जरिए यह वायरस फैलता है, वे ना सिर्फ केरल, बल्कि अन्य कई राज्यों में भी पाए जाते हैं। कुछ विशेषज्ञों ने आशंका जताई है कि निपाह से संक्रमित मरीज कुछ अन्य राज्यों में भी हो सकते हैं, जहां संभव है कि अभी उनकी पहचान ना हुई हो। केरल में सबसे पहले 2018 में निपाह वायरस का प्रकोप देखने को मिला था। उसके बाद यह चौथा मौका है, जब ऐसा हुआ है। इस बीच संभव है कि देश के दूसरे राज्यों तक भी संक्रमण पहुंचा हो। केरल की अपेक्षाकृत बेहतर चिकित्सा व्यवस्था ऐसे संक्रमणों की आरंभिक स्तर पर ही पहचान करने में अधिक सक्षम मानी जाती है।

निपाह के बारे में यह जानकारी चिंतित करने वाली है कि इससे संक्रमित होने के बाद मृत्यु दर 40 से 70 प्रतिशत तक रहती है। गौरतलब है कि कोविड-19 वायरस से संक्रमित मरीजों में यह दर पांच प्रतिशत से भी कम थी। इस संक्रमण के लक्षण भी बेहद गंभीर किस्म के हैं। मस्तिष्क ज्वर से लेकर खून की उल्टियां और दस्त जैसी समस्याएं भी इसमें उभर सकती हैं। अभी तक आई खबरों के मुताबिक इस बार केरल में जो लक्षण दिखे हैं, वे अपेक्षाकृत कम गंभीर किस्म के हैं। इसके बावजूद इस पर जोर डालने की जरूरत है कि सारे देश को इस खतरे के लिए अभी से सतर्क हो जान चाहिए। चूंकि इसके इलाज की प्रभावी व्यवस्था भी अपने देश में मौजूद नहीं है, इसलिए ऐहतियाती कदमों की जरूरत और भी ज्यादा है। कोविड-19 के दौरान जैसी अफरातफरी से इस देश को गुजरना पड़ा था, उसके बाद किसी भी ऐसे खतरे को हलके से नहीं लिया जा सकता। इसलिए देश भर के हालात की समीक्षा के लिए केंद्र को तुरंत पहल करनी चाहिए।

आयुष्मान भारत से आयुष्मान भवः

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने 2018 में आयुष्मान भारत योजना की शुरुआत की थी। इस योजना की शुरुआत राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017 के प्रावधानों के तहत सबको स्वास्थ्य की परिकल्पना को साकार करने के लक्ष्य के साथ की गई थी। आयुष्मान भारत योजना के तहत देश के कोने–कोने में रह रहे लोगों तक व्यापक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया था। इसके तहत बचाव और जागरूकता से लेकर प्राइमरी, सेकेंडरी और टर्शियरी स्तर तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं कैसे सुनिश्चित हों, इसकी पूरी व्यवस्था हेल्थ ऐंड वेलनेस सेंटर्स और प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के माध्यम से की गई।

मोदी सरकार का लक्ष्य यह है कि देश के हर कोने में रह रहे जन–जन तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचें। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए ही आयुष्मान भवः अभियान लॉन्च किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपीद मुर्मू ने 13 सितंबर, 2023 को इस अभियान का शुभारंभ किया। इस अभियान के तहत जन आरोग्य योजना को जन–जन तक ले जाने, हर किसी का आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट आईडी बनाने और विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं देने का लक्ष्य रखा गया है। कई तरह की बीमारियों की पहचान के लिए व्यापक स्क्रीनिंग की भी व्यवस्था की गई है। इनमें टीबी, हाइपरटेंशन, सिकल सेल डिजिज, मधुमेह आदि के लिए गांवों और शहरों में जांच अभियान चलाया जाना है।

आयुष्मान भवः का मूल लक्ष्य देश के 6.45 लाख गांवों और 2.55 लाख ग्राम पंचायतों तक पहुंचने का है। ताकि लोगों के बीच इन योजनाओं को लेकर जागरूकता आए और वे स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ ले सकें। हमारे प्रेरणास्रोत पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की अंत्योदय के सिद्धांत के अनुकूल इस अभियान को तैयार किया गया है ताकि स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ समाज के हर एक व्यक्ति को मिल पाए। सबको स्वास्थ्य के लक्ष्य को पूरा करने के लिए इस अभियान के तहत सेवा पखवाड़ा मनाया जाएगा। इसमें अंग दान अभियान चलाना शामिल है। साथ ही स्वच्छता अभियान और रक्त दान अभियान जैसे कई और गतिविधियां चलाई जाएंगी। इस अभियान के तीन मूल आधार हैं: आयुष्मान आपके द्वार, आयुष्मान सभा और आयुष्मान मेला। इसके तहत समाज केंद्रित सोच के साथ जन–जन तक स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाने का काम किया जाएगा।

आयुष्मान आपके द्वार का यह तीसरा संस्करण है। पहले के दो संस्करणों के सफलताओं को यह आगे बढ़ाएगा। इसके तहत आयुष्मान कार्ड बनाने में और तेजी लाई जाएगी। आयुष्मान सभा के जरिए गांवों के स्तर पर विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं को लेकर जागरूकता का प्रसार किया जाएगा। आयुष्मान मेला के माध्यम से स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न चिंताओं का समाधान करने का काम किया जाएगा।

आयुष्मान आपके द्वार अभियान की शुरुआत पूरे देश में 17 सितंबर को होगी और यह 31 दिसंबर तक चलेगा। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तकरीबन 60 करोड़ लाभार्थियों में से अधिक से अधिक लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाने का काम इस अभियान के तहत होगा। ताकि कोई भी बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं से अछूता न रहे। आयुष्मान सभा की शुरुआत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर 2 अक्टूबर, 2023 से होगी।

-डॉ. मनसुख मांडविया-

चुनाव आयोग की साख का क्या होगा?

पिछले कुछ वर्षों में जिस संवैधानिक संस्था की साख पर सबसे ज्यादा सवाल उठे हैं वह चुनाव आयोग है। कुछ हद तक इसका जिम्मेदार आयोग भी है, जिसने किसी भी चुनावी प्रक्रिया के दौरान विपक्ष की एक शिकायत पर ध्यान नहीं दिया। चुनाव का ऐसा शिड्यूल बनाया, जो केंद्र में सत्तारूढ़ दल के अनुकूल हो। प्रधानमंत्री से लेकर अनेक बड़े सत्तारूढ़ नेताओं के खिलाफ आई शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की उलटे कार्रवाई का दबाव डालने वाले आयुक्त सरकारी एजेंसियों की कार्रवाई का शिकार हो गए। आयोग के अपने आचरण के साथ साथ उसकी साख बिगाड़ने में कुछ हाथ सरकार का भी रहा, जिसने नियुक्तियों में मनमानी की। पिछले साल अरुण गोयल को जिस तरह से चुनाव आयुक्त बनाया गया उससे कई सवाल उठे। उस समय चुनाव आयुक्त का एक पद काफी समय से खाली था और अदालत में इस पर सुनवाई हो रही थी। अचानक एक दिन आईएएस अधिकारी अरुण गोयल ने अपने पद से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति का ऐलान किया और अगले दिन उनको चुनाव आयुक्त नियुक्त कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने भी बिजली की रफ्तार से हुई इस नियुक्ति पर सवाल पूछा।

बहरहाल, अब एक बार फिर सरकार चुनाव आयोग की साख बिगाड़ने वाला काम करने जा रही है। वह एक विधेयक लेकर आई है, जिसमें चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए ऐसी कमेटी बनाने का प्रावधान है, जिसमें सरकार का बहुमत हो और साथ ही चुनाव आयुक्तों का दर्जा घटा कर उनको कैबिनेट सचिव के बराबर कर दिया जाए। इससे पहले चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के मामले में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि संसद इसके लिए एक कानून बनाए और जब तक कानून नहीं बन जाता है तब तक उसकी बनाई एक कमेटी चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने जो कमेटी बनाई उसमें प्रधानमंत्री के अलावा सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस और लोकसभा में नेता विपक्ष को रखा गया। इस तरह की कमेटी सीबीआई के निदेशक को नियुक्त करती है और सबको पता है कि उसमें भी सरकार के हिसाब से ही नियुक्ति होती है क्योंकि सरकार की बनाई सर्च कमेटी नामों के सुझाव देती है और आज तक यह सुनने को नहीं मिला कि चीफ जस्टिस या उनकी ओर से नामित जज ने सीबीआई निदेशक की नियुक्ति में सरकार की मर्जी नहीं चलने दी। हर बार नेता विपक्ष के विरोध के बावजूद वही अधिकारी सीबीआई निदेशक नियुक्त होता है, जिसे सरकार चाहती है।

इस लिहाज से देखें तो सुप्रीम कोर्ट की बनाई कमेटी परफेक्ट दिख रही थी। उससे सरकार को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए थी। सीबीआई निदेशक की तरह उस कमेटी में भी सरकार अपने हिसाब से फैसला कराती। लेकिन

ऐसा लग रहा है कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति का काम सरकार सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस के सद्भाव पर नहीं छोड़ना चाहती। वह इसे पूरी तरह से अपने हाथ में रखना चाहती है इसलिए उसे यह कबूल नहीं है कि नियुक्ति की कमेटी में चीफ जस्टिस या उनकी ओर से नामित कोई जज शामिल हो। तभी सरकार ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति का ऐसा विधेयक संसद में पेश किया, जिसमें सर्वोच्च अदालत की बनाई कमेटी की जगह दूसरी कमेटी बनाने का प्रावधान किया गया है। उस कमेटी में प्रधानमंत्री अध्यक्ष होंगे और प्रधानमंत्री के अलावा उनकी ओर से नामित एक केंद्रीय मंत्री और लोकसभा में नेता विपक्ष इसके सदस्य होंगे। कमेटी की संरचना से ही साफ हो गया कि इसमें फैसला वही होगा, जो सरकार चाहेगी। सरकार की बनाई सर्च कमेटी संभावित अधिकारियों के नाम सुझाएगी और उसके बाद सरकार के बहुमत वाली कमेटी उसमें से किसी एक नाम पर फैसला करेगी।

नए कानून की धारा 10 (1) के मुताबिक कम से कम वेतन और भत्ते के मामले में चुनाव आयुक्तों का दर्जा घटा कर केंद्र सरकार के कैबिनेट सचिव के बराबर किया जा रहा है। हालांकि चुनाव आयुक्तों के प्रोटोकॉल में कोई बदलाव नहीं होगा। वे पहले की तरह संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत काम करेंगे और उनको हटाने का तरीका भी वही होगा, जो सुप्रीम कोर्ट के जज को हटाने का होता है। यानी उनको महाभियोग चला कर ही हटाया जा सकता है। लेकिन वेतन और भत्तों को कैबिनेट सचिव के बराबर लाने का प्रावधान भी अनायास नहीं किया गया है। सबको पता है कि वेतन और भत्ते के मामले में चुनाव आयुक्तों को कैबिनेट सचिव के बराबर लाने से उनके वेतन में मामूली सा फर्क आएगा। पर इससे चुनाव आयुक्तों का दर्जा घटेगा। सरकार के इस कदम से आयोग की साख घटेगी। कहा जा रहा है कि जिस तरह से चुनाव आयुक्तों के वेतन और भत्ते को कैबिनेट सचिव के बराबर किया जा रहा है उसी तरह पहले केंद्रीय सतर्कता आयुक्त यानी सीवीसी और केंद्रीय सूचना आयुक्त यानी सीआईसी के मामले में भी किया गया है। लेकिन इनमें और चुनाव आयुक्त में बहुत फर्क है। सीवीसी और सीआईसी कोई संवैधानिक प्राधिकार नहीं हैं, जबकि केंद्रीय चुनाव आयुक्त यानी सीईसी संवैधानिक प्राधिकार है। इसलिए उसके वेतन और भत्तों में बदलाव करना और उसका दर्जा कैबिनेट सचिव के बराबर करना एक बड़ी भूल होगी। अगर प्रोटोकॉल की बात करें तो सुप्रीम कोर्ट के जज और मुख्य चुनाव आयुक्त नौवें नंबर पर आते हैं, जबकि कैबिनेट सचिव 11वें नंबर पर आते हैं। इसके बीच 10वें नंबर पर केंद्र के राज्यमंत्री आते हैं। इसका मतलब है कि राज्यमंत्री का दर्जा भी मुख्य चुनाव आयुक्त से ऊपर हो जाएगा।

सोचें, क्या इस तरह से चुनाव आयोग एक स्वायत्त संस्था के तौर पर काम कर पाएगी और आम नागरिकों की नजर में उसकी साख बन पाएगी? पहले सरकार मनमाने तरीके से उसकी नियुक्ति करेगी और उसके बाद उसका दर्जा सरकार के एक अधिकारी के बराबर होगा। फिर उससे कैसे यह उम्मीद की जाएगी कि वह स्वतंत्र होकर काम करेगा? चुनाव आयोग से उम्मीद की जाती है कि वह स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनान कराने के लिए जरूरी होने पर प्रधानमंत्री या कैबिनेट मंत्री के खिलाफ भी कार्रवाई करे। लेकिन अगर उसका दर्जा राज्यमंत्री से भी नीचे होगा तो उससे अपने से ऊपर के किसी प्राधिकार के खिलाफ कार्रवाई करने की उम्मीद नहीं की जा सकेगी। सोचें, दुनिया में चुनाव आयोग की साख है। अनेक देशों ने अपने चुनाव अधिकारियों को भारत भेज कर प्रशिक्षण कराया या भारत के चुनाव अधिकारियों को अपने यहां बुला कर स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव कराने का तरीका सीखा। लेकिन भारत में इस संवैधानिक संस्था की साख कई कारणों से पहले संदेह के घेरे में है। अब केंद्र सरकार संसद में जो बिल लेकर आई है उसके पास होने पर चुनाव आयोग की साख और बिगड़ेगी।

-अजीत द्विवेदी-

विमर्श : चूंकि मामला राजद्रोह का है

राजद्रोह (प्रस्तावित देशद्रोह) कानून सर्वोच्च न्यायालय के एक ठोस कदम से एक बार फिर विचार का मुद्दा बन गया है। इसलिए कि इस मामले को संविधान पीठ को सौंपने का निर्णय किया गया है।

12 सितम्बर को न्यायालय ने ऐसा करने से पहले नए विधेयक, जो लोक सभा में पेश होकर संसदीय समिति के समक्ष विचाराधीन है, के कानून बनने तक प्रतीक्षा की केंद्र की सलाह यह कहते हुए ठुकरा दी कि अगर कानून बन भी गया तो इसके आधार पर राजद्रोह के पुराने मामले की समीक्षा नहीं की जा सकती। केदारनाथ सिंह बनाम बिहार सरकार (1962) मामले में पांच सदस्यीय संविधान पीठ का फैसला केवल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता वाले अनुच्छेद 19(1)(ए) के नजरिए से दिया गया था, उसमें अनुच्छेद 14 (कानून के समक्ष समानता) का ध्यान नहीं रखा था जबकि यह जरूरी था। केदारनाथ सिंह वाले फैसले में तब संविधान पीठ ने कहा था कि हर नागरिक को सरकार की नीतियों या कामकाज पर टिप्पणी या आलोचना करने का हक है, लेकिन इसका एक दायरा है और इसमें उसकी आलोचना या टिप्पणी राजद्रोह नहीं है। अगर कोई व्यक्ति ऐसा वक्तव्य देता है या लिखता है, जिससे हिंसा भड़क उठने और विधि व्यवस्था बिगाड़ने का खतरा हो, तो फिर उसका यह काम राजद्रोह के दायरे में आएगा। तब से राजद्रोह के मामले पर विचार का यह निर्णायक बिंदु बना हुआ है।

अगर राजद्रोह के अभियोग में निरुद्ध किए गए कुछ मामलों को देखें तो सर्वोच्च न्यायालय की चिंता जायज लगती है। हाल के वर्षों में, जिस तरह से पत्रकारों, कार्यकर्ताओं, छात्रों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, प्रमुख बुद्धिजीवियों और यहां तक कि एक लोक संगीतकार के खिलाफ 124 ए के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई, उससे राजद्रोह कानून सार्वजनिक विमर्श के केंद्र में आ गया है। जैसा कि अम्बेडकर युनिर्वसिटी की प्रो.अनुष्का सिंह लिखती हैं-2011 और 2016 के बीच तमिलनाडु के कुडनकुलम में परमाणु विरोधी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ राजद्रोह के बड़े पैमाने पर मामले, 2015 और 2016 में हरियाणा में जाटों, गुजरात में पाटीदारों जैसे आरक्षण समर्थक आंदोलनकारियों के खिलाफ, 2019 में खूंटी (झारखंड) में पत्थलगड़ी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ, 2020 और 2021 में दिल्ली, असम और भारत के अन्य हिस्सों में नागरिकता (संशोधन) अधिनियम विरोधी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मामले ऐसे उदाहरण हैं, जो कानून के उपयोग के जरिए पुलिस द्वारा किए गए सियासी काम को दर्शाते हैं।' राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े भी इसमें तेजी से वृद्धि को रेखांकित करते हैं। इसके मुताबिक राजद्रोह कानून के तहत 2021 में 86 लोगों की गिरफ्तारी हुई थी। वहीं, 2019 में 93 मामले दर्ज किए गए थे, यह 2016 में दर्ज 33 मामलों से 165 फीसद अधिक है। इसके अलावा, इस अभियोग में सजा की दर 2016 में जहां 33.3 फीसद थी, जो 2019 में घटकर 3.3 फीसद रह गई थी।

ऊपर जो मैंने मामले गिनाए हैं, उनके कालखंड समवेत रूप से कांग्रेस या उसकी अगुवाई में बनी सरकार और भारतीय जनता पार्टी या उसके नेतृत्व का है। मतलब यह कि सरकार किसी की भी रही हो पर राजद्रोह के बहुधा मामलों में उसका रवैया सत्तावादी ही रहा है-को बड़ छोट कहत अपराधू'। इसलिए वे दोनों ही इस मामले में एक दूसरे को उपदेश नहीं दे सकती हैं। बाकी अवसर के हिसाब से एक दूसरे पर लानत-मलामत भले कर लें। सर्वोच्च न्यायालय में 2021 में दायर 10 याचिकाओं में राजद्रोह के अभियोगों को विभिन्न धाराओं के तहत कड़ी चुनौती देने के साथ लोकतांत्रिक देश भारत में इसके क्रियान्वयन और प्रासंगिकता को लेकर सवाल उठाए गए हैं। इन्हीं याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने मई, 2022 में सरकार से पूछा था कि राजद्रोह कानून को अभी तक खत्म क्यों नहीं किया गया? क्या देश की आजादी के 75 साल बाद भी इसे बनाए रखना जरूरी है? अदालत ने 11 मई, 2022 को अपने अंतरिम आदेश में केंद्र और राज्य सरकारों को निर्देश दिया था कि इस पर अंतिम रूप से विचार होने तक 124ए के तहत कोई नया मामला दर्ज न किया जाए और न इसमें कोई आगे किसी भी तरह की कार्रवाई हो। 1837 में मैकाले के बनाए गए इंडियन पीनल कोड के 126ए को महात्मा गांधी ने नागरिकों की स्वतंत्रता को दबाने के लिए राजनीति प्रयोजन साधने के निमित्त बनाई गई धाराओं का राजकुमार' कहा था, के शिकार होने वाले नेताओं में बाल गंगाधर तिलक के बाद गांधी दूसरे नेता थे। इन दोनों पर ही क्रमशः केसरी' और यंग इंडिया' में लिखे लेखों के चलते ब्रिटिश सत्ता से द्रोह का अभियोग लगा था। पहला मामला बंगोबासी' के मालिक, संपादक, प्रबंधक और प्रिंटर के खिलाफ 1891 में ब्रिटिश सरकार के एज ऑफ कंसेंट एक्ट की आलोचना करने वाले लेख को प्रकाशित करने पर लगाया गया था। आजाद भारत में राजद्रोह कानून जारी रहा। इसका नतीजा यह हुआ कि जवाहरलाल नेहरू, जो गुलाम भारत में इस मुकदमे से प्रताड़ित होने वाले तीसरे नेता थे, के समय में मार्क्?सवादी रमेश थापर (बनाम मद्रास स्टेट) के विरुद्ध मामला चला। उन्होंने प्रधानमंत्री की विदेश नीति की आलोचना कर दी थी।

-डॉ. विजय राय-

निपाह नामक वायरस से निपटने की चुनौती

केरल में निपाह के बढ़ते खतरे को देखते हुए अन्य राज्यों को भी अलर्ट किया जा चुका है। दरअसल इस वायरस के बारे में कहा जा रहा है कि इस संक्रमण के कारण मृत्यु दर बहुत ज्यादा है। राज्य में सामने आए छह निपाह मरीजों में से दो की मौत चुकी है और केरल की स्वास्थ्य मंत्री के मुताबिक फिलहाल संक्रमित व्यक्तियों की सम्पर्क सूची में सैंकड़ों स्वास्थ्यकर्मियों सहित एक हजार से भी अधिक लोग हैं, जिनमें सैंकड़ों उच्च जोखिम वाली श्रेणी में हैं। निपाह संक्रमण के बारे में आईसीएमआर का कहना है कि कोविड में जहां मृत्युदर महज दो-तीन प्रतिशत थी, वहीं निपाह में संक्रमित लोगों की मृत्यु दर 40-70 प्रतिशत है। केरल में निपाह वायरस की जांच के लिए कुछ लोगों के सैंपल पुणे के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी) भेजे गए हैं और एनआईवी के सीरो सर्वे में पता चला है कि वायरस दूसरे राज्यों तक पहुंच रहा है। एनआईवी के वैज्ञानिकों को निपाह वायरस को लेकर दूसरे सीरो सर्वे में केरल सहित गोवा, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, तमिलनाडु, कर्नाटक, पुडुचेरी इत्यादि के चमगादड़ों में वायरस के खिलाफ एंटीबॉडी मिली हैं। केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक और पुडुचेरी में पहले भी एंटीबॉडी मिली थी। यही कारण है कि केरल सरकार के साथ-साथ केन्द्र सरकार भी निपाह के मामलों को लेकर सक्रिय है। दरअसल 2018 में केरल में यह बीमारी जो कहर बरपा चुकी है, वह खौफनाक मंजर एक बार फिर लोगों की आंखों के सामने आने लगा है। उस समय 23 संक्रमितों में से 21 की मौत हो गई थी लेकिन उसके बावजूद इन पांच वर्षों में 2019 और 2021 में भी इस संक्रमण का प्रकोप झेलने के बाद भी निपाह के उपचार के विकल्पों के मामलों में परिस्थितियां जस की तस हैं। आज भी इस बीमारी का कोई कारगर इलाज मौजूद नहीं है।

पहले जान लें कि निपाह आखिर है क्या और यह इतना खतरनाक क्यों माना जाता है? निपाह ऐसा वायरस है, जो चमगादड़, सुअर, कुत्तों, घोड़ों इत्यादि से फैलता है। 'फ्रूट बैट्स' अर्थात् फलाहारी चमगादड़ इस वायरस के वाहक होते हैं। यह बहुत तेजी से फैलने वाला खतरनाक संक्रमण है, जिसे तुरंत रोक पाना बहुत कठिन होता है। भारत में निपाह संक्रमण से औसत मृत्यु दर 75 फीसदी से भी अधिक रही है। इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग के पास निपाह संक्रमण को रोकने के लिए कोई खास पुख्ता इंतजाम नहीं हैं। ऐसे में सवाल यही है कि आखिर ऐसे क्या कारण हैं कि निपाह देश के पूर्ण साक्षर राज्य केरल में बार-बार दस्तक देने में सफल हो रहा है? पर्यावरणविदों का कहना है कि जून 2018 में केरल को निपाह मुक्त घोषित करने के बाद इतने कम अंतराल में इस वायरस के बार-बार सिर उठाने के पीछे सबसे प्रमुख कारक शहरीकरण है क्योंकि अंधाधुंध शहरीकरण के चलते मनुष्यों ने जंगलों को भी नहीं छोड़ा है और निपाह के लिए जिम्मेदार चमगादड़ों के रहने के लिए अब जंगल सीमित रह गए हैं। चमगादड़ों के निवास स्थान नष्ट होने से चमगादड़ तनावग्रस्त हो जाते हैं और भूखे रहते हैं, जिससे उनकी प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो जाती है और उनके भीतर वायरस का भार बढ़ जाता है, जो मूत्र और लार के जरिये बाहर आता है। इन्हीं के जरिये यह वायरस जानवरों तथा मनुष्यों में फैलता है। यह वायरस मुख्य रूप से टेरोपस जींस नामक नस्ल के चमगादड़ों के संक्रमण द्वारा फैलता है और बाद में महामारी का रूप धारण कर लेता है। ये चमगादड़ जिस पेड़ पर रहते हैं, वहां मूत्र और लार के जरिये इस वायरस को फैला देते हैं और फिर जो भी मनुष्य या जानवर जाने-अनजाने में उस पेड़ के फल खाता है, वह निपाह से संक्रमित हो जाता है।

भारत के दक्षिणी राज्यों और विशेषकर केरल में तो यह 'फलभक्षी चमगादड़' बहुतायत में हैं, जो श्रीलंका तक फैले हैं। सबसे पहले निपाह वायरस का पता 1998 में मलेशिया में सुअर पालने वाले किसानों के बीच फैली महामारी के दौरान चला था। तब निपाह वायरस का पहला मामला मलेशिया के एक गांव कम्पुंग सुंगई निपाह में सामने आया था, जिसके बाद इसी गांव के नाम पर इस वायरस का नाम 'निपाह' रखा गया। उस समय इस बीमारी के वाहक सूअर बनते थे लेकिन उसके बाद जहां-जहां भी निपाह के मामले सामने आए, सुअरों के बजाय 'फ्रूट बैट' निपाह के सबसे बड़े वाहक बनकर सामने आए। पहली बार मलेशिया में इस बीमारी का पता चलने और सिंगापुर के भी इससे प्रभावित होने के दौरान पाया गया था कि निपाह वारयस से संक्रमित अधिकांश व्यक्ति बीमार सुअरों या उनके दूषित उत्तकों के सीधे सम्पर्क में आए थे लेकिन उसके बाद बांग्ला देश तथा भारत में निपाह के कारण महामारी फैलने का सबसे संभावित स्रोत चमगादड़ों के मूत्र व लार से संक्रमित फल अथवा इन संक्रमित फलों से निर्मित उत्पाद या ताड़ी का सेवन रहा।

अन्य वायरस संक्रमणों के मुकाबले निपाह ज्यादा खतरनाक इसलिए माना जाता है क्योंकि इससे निपटने के लिए अब तक कोई वैक्सीन बनाने में सफलता नहीं मिली है अर्थात् इसका कोई कारगर इलाज नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार निपाह इंसेफलाइटिस संक्रमण है, जो छूने मात्र से बड़ी तेजी से पूरे शरीर में फैलता है। इसकी चपेट में आने वाला व्यक्ति 24-48 घंटे के भीतर कोमा में जा सकता है और ऐसी स्थिति होने पर रोगी के बचने की संभावना लगभग खत्म हो जाती है। इंसेफलाइटिस यानी दिमागी बुखार में सिरदर्द, तेज बुखार, सांस लेने में दिक्कत, सुस्ती, उलझन, याद्दाश्त कमजोर होना, चक्कर आना, भ्रम होना, मिर्गी आना और दौरे पड़ने जैसी शिकायत सामने आती हैं। निपाह वायरस बच्चों को सबसे पहले और आसानी से अपनी गिरफ्त में लेता है। पशुजनित यह बीमारी चमगादड़ों या सुअरों के जरिये मनुष्यों में फैलती है और यह दूषित भोजन तथा मनुष्य से मनुष्य के सम्पर्क से भी फैल सकती है। बचाव व रोकथाम ही निपाह संक्रमण का एकमात्र उपचार है। चूंकि अभी तक इस वायरस से बचने के लिए कोई वैक्सीन तैयार करने में सफलता नहीं मिली है, इसलिए निपाह संक्रमण को फैलने से रोकने का एकमात्र उपाय लोगों को इससे बचाव के उपायों की समुचित जानकारी देना और जागरूकता का व्यापक प्रचार-प्रसार ही है। निपाह को महामारी में परिवर्तित होने से रोकने के लिए सबसे जरूरी है कि लोगों को निपाह, इससे फैलने वाली बीमारी और बचाव के तरीकों के बारे में ज्यादा से ज्यादा जागरूक किया जाए।

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़,नई दिल्ली

आपको याद तो होगा ही

यह देश आजाद हुआ
कुर्बानियों के कारण
महात्मा गांधी के नेतृत्व में
सभी जातियों ने बलिदान दिए।
आपको याद तो होगा ही!
अमृतसर में जलियांवाला बाग में
जनरल डायर ने स्वतंत्रता सेनानियों
को गोलियों से भून दिया था।
आपको याद तो होगा ही।
अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन
करने के लिए लाला लाजपत राय को
लाठियां से पीटपीट कर मार दिया था
आपको याद तो होगा ही।
देश में अनेक लोगों को बिना
वस्त्र देख कर महात्मा गांधी ने
एक लंगोटी में अपना सारा
जीवन बिता दिया था।
आपको याद तो होगा ही।
अंग्रेजों से बदला लेने के लिए
शहीद उधम सिंह, भगत सिंह,
राजगुरु और राजगुरु ने हंसते
हंसते फांसी का फंदा चूम लिया।
आपको याद तो होगा ही।
देश की आजादी के लिए सुभाष
चंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज बनाई
और मुक्ति के लिए आक्रमण किया
आपको याद तो होगा ही।
आजादी प्राप्त करने के लिए गांधी जी
के नेतृत्व में हिंदुओं, मुसलमानों आदि
सभी धर्म के लोगों ने कुर्बानी दी
आपको याद तो होगा ही।
आजादी के बाद 1947 में विभाजन
के बाद बहुत सारे मुसलमान भारत को
अपना देश मानकर यही रह गए।
आपको याद तो होगा ही।
यह देश किसी एक जाति या धर्म
की बपौती हो ही नहीं सकता।
आपको याद तो होगा ही।
भारतीय लोकतंत्र में हर पांच साल
के बाद मतदान हुआ करता है
और सरकारें बदलती रहती हैं।
आपको याद तो होगा ही।
कोई भी सरकार जनहित के खिलाफ
काम करके शासन नहीं चला सकती
चुनाव होने पर बदल दी जाती है।
आपको याद तो होगा ही।
संविधान के अनुसार कार्यपालिका,
विधायका,न्यायपालिका और मीडिया
लोकतंत्र के सहयोगी स्तंभ है
कोई भी दूसरे पर हावी नहीं हो सकता।
आपको याद तो होगा ही।
यह पब्लिक है, सब जानती है
खरे और खोटे का भेद पहचानती है।
आपको याद तो होगा ही।

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक(हरियाण)

तेरी नगरियाँ

कौन सी दिशा कौन सी डगरियां,
सांवरिया चली,मैं तेरी नगरियाँ।
पग -पग धरूँ आगे बढ़ूं,
धूप में सरकाऊँ
कभी अपनी चुनरियाँ ।
सांवरिया चली मैं तेरी नगरियाँ।
नाचती चली मैं गाती चली रे,
थक जाऊँ तो मैं,बैठ जाऊँ डगरियां।
सांवरिया चली मैं तेरी नगरियाँ।
पैरों में पायल हाथों में कंगना,
कनकती छनकाती चली,
मैं अपनी कमरियां ।
सांवरिया चली मैं तेरी नगरियाँ।
पग में छाले , माथे पर पसीना,
थक गई हूँ कान्हा,
अब दे दे दरसियाँ ।
सांवरिया देख आ गई
तेरी नगरियाँ।

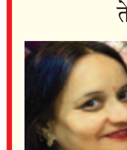

गरिमा राकेश गौतम गर्विता
कोटा,
राजस्थान

और कुछ नहीं

अँधेरे को रोशनी चाहिए
प्रकाश की ओर अँधेरा चाहिए
इस कदर...
एक के भीतर दूसरा अगर नहीं..
अंधेरा यह हल्का हो जाएगा
प्रकाश अंधेरा हो जाएगा
इसके पीछे...
प्रकाश क्या है?
अंधकार क्या है?
जैसे प्रश्न बस यहीं वापस
फिर उलझन में...

ओत्तेरी सेल्वा कुमार
चेन्नई
तमिलनाडु

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

CMYK

महिला एवं बाल विकास परियोजना कार्यालय में अधिकारी नदारद

» ग्रामीण अंचल के महिलाएं सहित फिल्ड के कर्मचारियों द्वारा समस्या लेकर आने से परियोजना अधिकारी कार्यालय में नहीं मिलते

» कार्यालय का चक्कर काटने को मजबूर

– मनोज कुमार –
लखनपुर,20 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा कार्यालय के समय 10:00 बजे उपस्थित होकर 5:00 बजे तक कार्यालय कार्य किया जाना तय किया गया है वही शनिवार को छुट्टी घोषित किया गया है जिसमें शनिवार और रविवार 2 दिन छुट्टी का लाभ शासकीय कार्यालय के अधिकारी कर्मचारी उठा रहे हैं परंतु लखनपुर विकासखंड के अंतर्गत के ऐसे कार्यालय हैं जहां 10:00 बजे तो छोड़िए 12:00 तक अधिकारी कर्मचारी अपने कार्यालय उपस्थित नहीं हो पाते हैं। जिसके कारण ग्रामीण अंचल के ग्रामीणों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

वही गौरतलब बात यह है कि लखनपुर विकासखंड के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास परियोजना कार्यालय में विगत एक माह से अधिक समय से परियोजना अधिकारी द्वारा अपने कार्यालय में उपस्थित नहीं देखा जा रहा है और समय कभी कोई ख्याल नहीं रखा जाता है उनके द्वारा दोपहर 2- 3 बजे कार्यालय में कभी कभार आते हैं और तत्काल अपने घर भी चली जाती हैं जिसके कारण कई बार तो ग्रामीण अंचल दूरस्थ गांव की महिलाएं एवं फील्ड के आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका समस्या लेकर कार्यालय पहुंचते हैं जहां कार्यालय में परियोजना अधिकारी की उपस्थिति नदारत देखी जाती है कई बार आने के बाद आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका एवं अन्य महिलाएं सहित समस्या को लेकर आने पर नहीं मिलने पर मजबूरी में कंप्यूटर ऑपरेटर संविदा नियुक्त को अपनी समस्या का आवेदन दिया जा रहा है ।

वही कार्यालय के कार्य भी काफी प्रभावित हो रहे हैं जिसमें मुख्य रूप से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं की नियुक्ति भी किया जाना है जिसमें दावा आपत्ति का भी समय अवधि समाप्त हो चुका है परंतु अधिकारी की कार्यालय में नहीं आने के कारण नियुक्ति में विलंब हो रहा है तथा कार्यालय के कार्य भी काफी प्रभावित हो रहे हैं।

लखनपुर ब्लॉक मुख्यालय के अधिकांश कार्यालय में अधिकारी अपने मुख्यालय में निवास नहीं करने के कारण संभाग मुख्यालय में निवास करते हैं जिससे आने-जाने में काफी विलंब हो जाता है और सप्ताह में 2 दिन शनिवार रविवार छुट्टी होने का भी लाभ उन्हें मिल जाता है अधिकांश अधिकारियों द्वारा जिला में मीटिंग व बैठक का हवाला देकर कार्यालय नहीं आना बताया जाता है।

> इस संबंध पर जिला परियोजना अधिकारी महिला बाल विकास से पूछे जाने पर बताया गया कि अधिकारी कार्यालय पर नहीं आ रहे हैं तो उनके ऊपर उचित कार्यवाही की जाएगी।
>
> जे आर प्रधान
> जिला परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास अम्बिकापुर

शासकीय भूमि पर कब्जा कर मकान बनाने के मामले में ग्रामीण पहुंचे तहसील कार्यालय दिया आवेदन, तहसीलदार ने तीन दिवस के भीतर कब्जा खाली करने का दिया निर्देश

– संवाददाता –
लखनपुर,20 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

लखनपुर विकासखंड के ग्राम बेलदगी के सड़क किनारे शासकीय भूमी मे दुसरे गांव के ग्रामीण द्वारा शासकीय भूमि में कब्ज़ा कर अवैध रुप से पक्के का मकान बनाया जा रहा था। ग्राम बिलगी के ग्रामीणों द्वारा राजेश का विरोध किया जा रहा था और कब्जाधारी को मकान बनाए जाने से पूर्व में मना किया गया था। परंतु कब्जाधारी के द्वारा निरंतर मकान निर्माण किया जा रहा था। बड़ी संख्या में ग्राम बेलदगी के ग्रामीण तहसील कार्यालय पहुंचे और शासकीय भूमि को कब्जा मुक्त कराने प्रभारी तहसीलदार नीरज कौशिक को आवेदन दिया। तत्काल लखनपुर प्रभारी तहसीलदार नीरज कौशिक ने कब्जा धारी ग्रामीण को ग्रामीणों के सामने बुलाकर तीन दिवस के भीतर शासकीय भूमि से कब्जा हटाये जाने का निर्देश दिया है। निर्देश का पालन नहीं करने पर वैधानिक कार्यवाही की बात कही है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक ग्राम कोसांगा और बेलदगी के सीमा स्थित चेन्द्रई पुलिया के बगल सड़क किनारे कोसगा निवासी राकेश दास पिता चौक दास के द्वारा जमीन कब्जा कर मकान बनाया जा रहा था ग्रामीणों के द्वारा उक्त ग्रामीण को शासकीय भूमि में मकान बनाए जाने से मना किया गया परंतु उक्त ग्रामीण के द्वारा ग्रामीणों के मना करने के बाद भी मकान निर्माण किया जा रहा था विगत दो दिन पूर्व ग्रामीणों के द्वारा उक्त निर्माणधीन मकान के कुछ हिस्से को गिरा दिया गया। 20 सितंबर दिन बुधवार को लखनपुर तहसील कार्यालय पहुंचे प्रभारी तहसीलदार डिप्टी कलेक्टर नीरज कौशिक को आवेदन देकर शासकीय भूमि से कब्जा खाली कराए जाने की मांग की। तत्काल ग्रामीणों के सामने कब्जाधारी को बुलाकर तीन दिवस के भीतर कब्ज़ा हटाए जाने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान सरपंच कर्म सिंह, उपसरपंच नंद कुमार,राजाराम यादव, मुन्ना दास, चंद्रशेखर राजवाड़े, सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

जैन श्वेतांबर तेरापंथी का संवतसरी महापर्व का समापन

– संवाददाता –
अंबिकापुर,20 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी अंबिकापुर में जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा द्वारा हर्षोल्लास के साथ पर्युषण महापर्व मनाया गया। सभा के अध्यक्ष मनोज डागा ने बताया कि इस महापर्व को 12 सितंबर से प्रारंभ किया गया था। जो 20 सितंबर को समापन किया गया। पर्युषण पर्व के अवसर पर आचार्य महाश्रमण के आध्यात्मिक निर्देशन पर उपासक महेंद्र सिंघवी एवं धर्मेंद्र चोपड़ा मुंबई से अंबिकापुर पधारे थे। जिनके द्वारा प्रतिदिन सुबह से शाम तक भगवान की प्रार्थना, प्रवचन, धर्म चर्चा, आदि का आयोजन होता था। वही रविवार की सुबह 6 बजे से नवकार मंत्र का अखंड पाठ शुरू किया गया जो सोमवार सुबह 6 बजे समाप्त हुआ। पधारे हुए उपासक सूरजपुर और विश्रामपुर में जाकर तपस्वियों को मंगल पाठ भी सुनाया और उनके तपस्या की अनुमोदना की। महिला मंडल अंबिकापुर ने सभी तपस्वियों की अनुमोदना की। अनेक छोटी तपस्या कमला देवी मालू, काजल मालू, रानू सेठिया द्वारा भी की गई।

कुएं में डूबने से 22 वर्षी युवक की मौत

डॉक्टर के मृत घोषित करने उपरांत परिजन उपचार हेतु पहुंचे मेडिकल कॉलेज अस्पताल

– संवाददाता –
लखनपुर,20 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जमगला टिकरापारा में 20 सितंबर दिन बुधवार की दोपहर लगभग 12¬30बजे कुएं मेंडूबने से 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। डॉक्टरों द्वारा मृत घोषित करने उपरांत छुब्द परिजनों द्वारा युवक के शव को उपचार हेतु लेकर मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर पहुंचे। स्वास्थ्य विभाग के द्वारा मेडिकल कॉलेज अस्पताल के मरचूरी में शव को रखवाया गया परिजनों के द्वारा हत्या के आंशका जाहिर की जा रही है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक भुवनेश्वर पिता विजय गौड़ उम्र 22 वर्ष ग्राम जमगला टिकरापारा थाना लखनपुर निवासी घर के बाड़ी से लगे कुएं में डूबा हुआ मिला परिजनों द्वारा ग्रामीणों की मदद से कुएं से यूवक को बाहर निकल गया और उपचार हेतु लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां डॉक्टरों द्वारा उसे मृत घोषित किया गया। डॉक्टरों ने इसकी सूचना लखनपुर पुलिस को दी। घटना से छुब्द परिजनों द्वारा युवक को जीवित कहकर उसके शव का उपचार हेतु मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे। मेडिकल कॉलेज अस्पताल के डॉक्टरों द्वारा उसे मृत घोषित करते हुए शव को मरचूरी में रखवाया गया है साथ ही पुलिस को इसकी सूचना दी गई।

'भूगोल एक समग्र और अन्तर्सम्बंधित क्षेत्र का है अध्ययन'

– संवाददाता –
अंबिकापुर,20 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर के भूगोल विभाग का 41वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से पधारे प्रो. व्हीके राय ने कहा कि भूगोल एक समग्र और अन्तर्सम्बंधित क्षेत्र का अध्ययन है। जो कि विभिन्न स्तरों पर स्थानिक संरचनाओं में होने वाले परिवर्तनों के अध्ययन से जुड़ा हुआ है। वर्तमान में भूगोल में जो नवीन तकनीक के अनुप्रयोग का प्रचलन बढ़ा है उसे रिमोट सेंसिंग तथा जीआईएस कहा जाता है। बिलासपुर बिलासा कॉलेज से पधारे भूगोल की प्राध्यापक कावेरी दाभडकर ने कहा कि विषय की बेहतर ढंग से समझ बढ़ाने के लिए संदर्भ पुस्तकों का अध्ययन आवश्यक है। व्याख्यान माला का उद्घाटन करते हुए विभाग के प्राध्यापक डॉ. अनिल सिन्हा ने कहा कि किसी भी विषय का महत्व तभी है जब वह गतिशील प्रवृत्ति का होने के साथ-साथ प्रौद्योगिकी से समृद्ध हो। विषय में सम्मिलित होने वाले नवाचारों को समझना आज की आवश्यकता है।

इस अवसर पर भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ. आरके जायसवाल ने अपने स्वागत भाषण में कहा की सरगुजा क्षेत्र के इस महाविद्यालय में वर्ष 1983 में भूगोल विषय प्रारंभ हुआ था और आज वह दिवस है जिस दिन शासन से इस विषय को खोले जाने की अनुमति मिली थी और मेरी प्रथम पदस्थापना भी यहां की गई थी।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए विभाग की प्राध्यापिका प्रोफेसर दीपिका स्वर्णकार ने आज के दिवस की प्रासंगिकता तथा विद्वान प्राध्यापको की उपस्थिति को इस विभाग के लिए महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर मां सरस्वती के फोटो चित्र पर माल्यार्पण करते हुए स्नातकोत्तर भूगोल परिषद के अध्यक्ष कुमारी चंचल गुप्ता, सचिव पंकज तिवारी ने अतिथियों को पुष्प गुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत किया। व्याख्यान माला के अवसर पर विभाग के अतिथि प्राध्यापक ओमकार कुशवाहा तथा शासकीय महाविद्यालय लखनपुर से पधारे प्रोफेसर प्रेमचंद यादव तथा स्नातकोत्तर भूगोल के दोनों कक्षाओं के सभी छात्र उपस्थित रहे।

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या का आमसभा की बैठक आज

– संवाददाता –
अंबिकापुर,20 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या, अम्बिकापुर की 68 वीं वार्षिक साधारण आमसभा की बैठक 21 सितंबर को 12 बजे से बैंक के प्रधान कार्यालय के सभाकक्ष में आहुत की गई है। बैंक के वित्तीय वर्ष 2022-23 के अंकेक्षित वित्तीय पत्रक, लाभ-हानि, अनुमानित आय-व्यय बजट एवं आगामी वित्तीय वर्ष एवं प्रस्तावित कार्ययोजना के संबंध में प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाएंगे। जिसमें बैंक से सम्बद्ध सहकारी समितियों के सम्मानीय अंशधारी सदस्यों की उपस्थिति प्रार्थनीय है। निर्धारित समय में गणपूर्ति के अभाव में बैठक स्थगित कर उसी स्थान पर आधे घंटे के बाद बैठक की कार्यवाही प्रारंभ की होगी। उक्त जानकारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सह केन्द्रीय बैंक ने दी है।

सफाई मित्र सुरक्षा शिविर की गई स्वास्थ्य जांच

– संवाददाता –
अंबिकापुर,20 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

स्वच्छता ही सेवा अन्तर्गत भारत सरकार आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा जारी निर्देश अनुरूप सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का आयोजन स्थानीय गांधी स्टेडियम परिसर में किया गया। शिविर का शुभारम्भ महापौर डॉ. अजय तिर्की, आयुक्त अभिषेक कुमार एवं एमआईसी प्रभारी स्वास्थ्य शैलेन्द्र सोनी द्वारा किया गया। इस शिविर में नगर पालिक निगम अंबिकापुर में कार्यरत समस्त सफाई कर्मचारी, स्वच्छता दीदियां एवं उनके परिवार के सदस्य शामिल हुए। समस्त सफाई मित्र का पूर्ण स्वास्थ्य जांच इस हेतु निगम क्षेत्र में संचालित 5 मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से कैंप लगाया गया था। जिसमें 630 सफाई मित्रों का पूर्ण स्वास्थ्य जांच, रक्त जांच एवं निःशुल्क दवाई का वितरण किया गया। सभी सफाई मित्रों का आयुष्मान कार्ड की जांच की गई एवं नवीन आयुष्मान एवं आभा कार्ड भी बनाए गए। सफाई मित्रों को प्रधानमंत्री आवास योजना की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई एवं पात्र हितग्राहियों का चयन कर आवेदन संकलित किया गया, शिविर में कुल 142 आवेदन प्राप्त हुए। लीड बैंक मेनेजर के नेतृत्व में विभिन्न बैंक के प्रतिनिधि कैंप लगाकर 25 जन धन खाता खोला गया। लीड बैंक मेनेजर के नेतृत्व में विभिन बैंक के प्रतिनिधि कैंप लगाकर 27 सुरक्षा बीमा योजना का लाभ दिया गया। दीन दयाल अन्त्योदय राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन अंतर्गत इस शिविर में ऋण योजना अंतर्गत 34 व्यक्तिगत ऋण एवं 3 समूह ऋण के आवेदन संकलित किये गये। सफाई मित्र सुरक्षा हेतु उपयोग होने वाले विभिन्न उपकरण के प्रयोग के तरीके एवं महत्व के बारे में बताया गया साथ ही माक ड्रिल भी किया गया। छत्तीसगढ़ शासन श्रम कल्याण हेतु विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई तथा शिविर में ही ऑनलाइन पंजीयन किया गया इस शिविर में 225 संगठित श्रमिक का पंजीयन किया गया।

कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र का मनाया गया स्थापना दिवस

– संवाददाता –
अंबिकापुर,20 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र अंबिकापुर के अधिष्ठाता डॉ. एसके सिन्हा के मार्गदर्शन में प्रभारी अधिष्ठाता डॉ. नीलम चौकसे के द्वारा कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र अंबिकापुर का स्थापना दिवस एवं हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। जिसके अंतर्गत माता राजमोहिनी देवी के प्रतिमा पर पुष्प अर्पण एवं माल्यार्पण कर प्रसाद वितरण किया गया। संस्था के प्राध्यापक डॉ. व्हीके सिंह द्वारा हिंदी भाषा पर अपना विचार व्यक्त किये तथा इस दौरान संस्था के प्राध्यापक डॉ पीके भगत, डॉ.अरुण नायक, डॉ. केएल पैंकरा, डॉ. जहार सिंह, डॉ. आर्यमा भारती, डॉ. सचिन कुमार जायसवाल, विकाश साहू, हरीश कुमार पांडे, एके लकड़ा, यमलेश निषाद एवं कर्मचारी गण उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ.एसआर दुबोलिया एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ.रंजीत कुमार ने किया।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुन्दन कुमार ने ली राजनैतिक दलों की बैठक

– संवाददाता –
अंबिकापुर,20 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कुंदन कुमार ने बुधवार को जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में विधानसभा निर्वाचन 2023 के सम्बंध में राजनैतिक दलों की बैठक ली। बैठक में उपस्थित राजनीतिक दल के जनप्रतिनिधियों को जिला अंतर्गत मतदान केंद्रों का भवन परिवर्तन, स्थल परिवर्तन, नाम परिवर्तन के संबंध में जानकारी दी गई और अंतिम संशोधन पर चर्चा की गई।

उल्लेखनीय है कि 02 अगस्त को विधानसभा निर्वाचन 2023 के संबंध में अर्हता तिथि 01 अक्टूबर हेतु मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन किया गया और 2 अगस्त से 31 अगस्त तक प्राप्त दावा आपत्ति का 22 सितंबर तक निराकरण कर 4 अक्टूबर को अंतिम प्रकाशन किया जायेगा। इस दौरान उपस्थित राजनैतिक दलों के जनप्रतिनिधियों को मतदान केंद्रों की जानकारी दी गई। इस दौरान उपस्थित सदस्यों को फार्म-6, 7 एवं 8 के संबंध में जारी कार्यवाही से भी अवगत कराया गया। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सुनील नायक, समस्त विधानसभा के रिटर्निंग अधिकारी, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, एवं निर्वाचन से संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

समाचार क्रमांक 93/2023 --00--

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के अद्भुत विजन से लोक खेल फिर आए प्रचलन में

» सभी खिलाड़ी राज्य स्तर पर सरगुजा का नाम करें रोशन - संभागायुक्त श्रीमती शिखा

» संभाग स्तर तक पहुंचा छत्तीसगढ़िया ओलंपिक, 14 खेलों में भाग ले रहे संभाग के सभी 6 जिलों से आए खिलाड़ी

» उद्घाटन सत्र में रस्साकशी और कुश्ती का हुआ मुकाबला,

» शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों ने खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

– संवाददाता –
अंबिकापुर,20 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के पारंपरिक खेल गतिविधियों को ग्रामीण क्षेत्र एवं नगरीय क्षेत्रों में प्रोत्साहित करने, प्रतिभागियों को मंच प्रदान करने व उनमें खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं खेल भावना का विकास करने हेतु जारी छत्तीसगढ़िया ओलंपिक 2023-24 के संभाग स्तरीय आयोजन का उद्घाटन मंगलवार को संभाग आयुक्त श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी के मुख्य आतिथ्य में किया गया। गांधी स्टेडियम में आयोजित संभाग स्तरीय ओलंपिक में दीप प्रज्वलन कर संभाग आयुक्त श्रीमती शिखा ने प्रतियोगिता की शुरुआत की।

छत्तीसगढ़ के पहले तिहार हरेली तिहार के दिन से पहले चरण राजीव युवा मितान क्लब स्तर से शुरू हुई प्रतियोगिता जिला स्तर तक खेली जा चुकी है, जिसमें लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। अब यह प्रतियोगिता पांचवे चरण संभाग स्तर पर पहुंच गई है, तीन दिवसीय संभाग स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में जिले स्तर पर विजेता खिलाड़ियों का मुकाबला शुरू हो चुका है। इसके बाद सम्भाग स्तर पर विजेता खिलाड़ी छठवें और आखरी चरण राज्य स्तर पर हिस्सा लेंगे।

सरगुजा संभाग आयुक्त श्रीमती शिखा ने इस अवसर पर कहा कि आज यहां मौजूद खिलाड़ियों को देखकर बचपन की याद आती है। जिन पारंपरिक खेलों को लगभग भुला दिया गया था, आज उन्हें शासन द्वारा अनोखी पहल के रूप में पुनर्जीवित किया जा रहा है। सभी खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सरगुजा संभाग का नाम रोशन करें।रस्साकशी, फुगड़ी, बिल्लस जैसे खेलों को हम सभी ने बचपन में खेला है। संभाग आयुक्त ने लोक खेलों को पुनः प्रचलन में लाने के इस अद्भुत विजन के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल को बहुत बहुत धन्यवाद प्रेषित किया और सभी खिलाड़ियों को बेहतर खेल खेलने के लिए शुभकामनाएं दीं।

तेलघानी बोर्ड सदस्य श्री लक्ष्मी गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में शुरू किए गए इस अद्भुत खेल प्रतियोगिता में हर आयु वर्ग के लोगों को भाग लेने का मौका मिल रहा है। खेल भावना के साथ इस प्रतियोगिता में भाग लें। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को बेहतर खेलने बधाई प्रेषित की।

सुदूर क्षेत्रों से महिलाओं को मिल रहा मौका नई पहचान बनाने का

कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने इस अवसर पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरगुजा संभाग के सभी जिलों के दूरस्थ क्षेत्रों से खिलाड़ी यहां आए हैं। पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए शुरू किए गए इस ओलंपिक के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल को धन्यवाद। मोबाइल युग में छत्तीसगढ़ शासन ने खिलाड़ियों को ऐसा प्लेटफार्म दिया जिससे लोगों के शारीरिक और मानसिक मजबूती की संकल्पना साकार हो रही है। आज यहां आए खिलाड़ियों में महिला और पुरुषों की संख्या लगभग बराबर है, यहां तक कि सूदूर क्षेत्रों तक से महिलाएं यहां आई हैं। हर आयु वर्ग के लोग इस ओलंपिक में शामिल हो रहे हैं। इसमें कोई बंधन नहीं है। अपने इस जज्बे को बनाए रखें और प्रदेश की प्रगति में अपना योगदान दें।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री सुनील शर्मा ने भी खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि लोक खेलों को बढ़ावा देने मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व छत्तीसगढ़ शासन द्वारा शुरू की गई इस प्रतियोगिता से लोगों में भी आपसी साझेदारी और भाईचारा बढ़ रहा है।

उल्लेखनीय है कि सरगुजा संभाग में संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में संभाग के सभी छः जिलों सरगुजा, जशपुर, बलरामपुर, सूरजपुर, एमसीबी, कोरिया के जिला स्तर की प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ी संभाग मुख्यालय अम्बिकापुर में हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता का आयोजन 19 से 21 सितम्बर 2023 को अम्बिकापुर के गांधी स्टेडियम में किया जाना है। 19 सितंबर को उद्घाटन समारोह में रस्साकशी तथा कुश्ती का मुकाबला हुआ। वहीं 20 सितंबर को गिल्ली डंडा, पिटठुल, लंगड़ी दौड़, बिल्लस, फुगड़ी, गेड़ी दौड़,100 मीटर दौड़, लम्बीकूद, रस्साकशी का आयोजन होगा। इसी प्रकार 21 सितंबर को समापन समारोह के साथ संखली, कबड्डी, खो-खो, बाटी(कंचा), भंवरा खेल आयोजित होंगे। प्रतियोगिता में तीन आयुवर्ग प्रथम वर्ग 18 वर्ष की आयु तक, दूसरा वर्ग 18-40 वर्ष आयु सीमा तक और तीसरा वर्ग में 40 वर्ष से अधिक उम्र के महिला एवं पुरुष दोनों वर्ग के प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त अभिषेक कुमार, सीईओ जिला पंचायत नूतन कुमार कंवर, जिला स्तरीय अधिकारी एवं सभी जिलों से आए खेल अधिकारी तथा खिलाड़ी उपस्थित रहे।

पीएससी में चयन से संबंधित याचिका पर राज्य सरकार ने दिया वक्तव्य

कहा उक्त प्रकरण की स्वयं जांच कर न्यायालय के समक्ष पेश करेंगे जवाब

» जिनकी नियुक्तियाँ हो चुकी वह यथा स्थिति न्यायालय के आदेश के रहेगी अधीन

» न्यायालय के अगले आदेश तक नियुक्ति की प्रक्रिया को नहीं दिया जाएगा अंतिम रूप

रायपुर,20 सितंबर 2023(ए)। पीएससी चयन से संबंधित याचिका की सुनवाई माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष की गई, महाधिवक्ता कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार जिसमें राज्य सरकार के द्वारा न्यायालय के समक्ष यह वक्तव्य दिया गया कि हम उक्त प्रकरण की स्वयं जांच कर माननीय न्यायालय के समक्ष जवाब पेश करेंगे एवं जब तक मामले के अगली सुनवाई नही हो जाती तब तक इस विषय को बढ़ावा न देकर जिन व्यक्तियों पर आक्षेप लगा है और उनकी नियुक्ति नही हुई है, उसको आगे अंतिम रूप नही दिया जायेगा एवं जिनकी नियुक्तियाँ हो चुकी है वह यथा स्थिति माननीय न्यायालय के आदेश के अधीन रहेगी।

न्यायालय ने उक्त वक्तव्य को रिकार्ड पर लेते हुए याचिका की अगली सुनवाई एक सप्ताह के बाद रखी है एवं राज्य सरकार तथा पीएससी को निर्देशित किया है कि वे जो सूचीं याचिकाकर्ता के द्वारा पेश की गई है उसके तथ्यों की सत्यता के संबंध में भी जांच कर ले तथा याचिकाकर्ता को निर्देशित किया गया है कि वह चयनित व्यक्तियों को पक्षकार बनाये और अपनी याचिका में निर्धारित संशोधन कर पेश करें। न्यायालय के द्वारा याचिकाकर्ता को भी सचेत किया गया है कि अगर याचिकाकर्ता की जानकारी गलत पाई गयी तो उसके विरुद्ध भी न्यायोचित कार्यवाही की जायेगी।

रमन सिंह और संबित पात्रा पर दर्ज एफआईआर को निरस्त करने के आदेश

बिलासपुर,20 सितंबर 2023(ए)।

टूल किट मामले में पूर्व सीएम डॉ रमन सिंह व भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है. चीफ़ जस्टिस व जस्टिस एन के चन्द्रवंशी की डिवीजन बेंच ने माना कि ट्वीट से कोई सामाजिक सौहार्द नहीं बिगड़ा. इसके साथ ही दोनों भाजपा नेताओं के विरुद्ध दर्ज एफआईआर को कोर्ट ने निरस्त कर दिया. बता दें कि बीते 12 सितम्बर को सुनवाई के बाद कोर्ट ने फैसले को सुरक्षित रखा गया था। बता दें कि दो साल पहले का यह मामला है. वर्ष 2021 में पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने 18 मई को अपने ट्विटर अकाउंट से कांग्रेस का कथित लेटर पोस्ट करते हुए दावा किया था कि इसमें देश का माहौल खराब करने की तैयारी की प्लानिंग लिखी है. इसके साथ ही लिखा गया कि विदेशी मीडिया में देश को बदनाम करने दुष्प्रचार और जलती लाशों की फोटो दिखाने का कांग्रेस षड्यंत्र कर रही है. ऐसी ही पोस्ट संबित पात्रा ने भी की थी. इसके बाद युवा कांग्रेस के नेताओं ने रमन सिंह व संबित पात्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया था. एफआईआर के विरोध में भाजपा नेताओं ने बाकायदा हैशटैग 'भूपेश- मुझे भी गिरफ्तार करो' के जरिए अभियान चलाते हुए प्रदेशभर में अपने निवास के सामने बैठकर धरना दिया था. सभी जिला मुख्यालयों में भाजपा नेताओं के साथ पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय, नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक, पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल और राजेश मूणत गिरफ्तारी देने थाना पहुंचे थे।

चिटफंड कम्पनी यश ड्रीम के निवेशकों को जल्द लौटाई जाएगी राशि

रायपुर,20 सितंबर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा चिटफंड कम्पनियों के विरूद्ध कार्रवाई और उनकी सम्पत्ति की नीलामी से प्राप्त राशि को निवेशकों को लौटाए जाने का सिलसिला अनवरत रूप से जारी है। चिटफंड कम्पनी यश ड्रीम रीयल स्टेट की सम्पत्तियों की नीलामी से प्राप्त हुई 42 करोड़ 77 लाख 82 हजार रूपए की राशि इस कम्पनी के निवेशकों को शीघ्र लौटाई जाएगी।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य में विभिन्न चिटफंड कम्पनियों की धोखाधड़ी के शिकार हुए निवेशकों को अब तक 33.97 करोड़ रूपए की राशि लौटाई जा चुकी है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने यश ड्रीम कम्पनी के निवेशकों को नियमानुसार शीघ्र राशि लौटाए जाने की कार्रवाई के निर्देश जिला प्रशासन दुर्ग को दिए हैं।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने चिटफंड कम्पनियों के निवेशकों के साथ न्याय करने के अपने वायदे को पूरा करने की शुरूआत सत्ता की बागड़ोर संभालते ही कर दी थी। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य में चिटफंड कम्पनियों के संचालन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने के साथ ही 208 चिटफंड कम्पनियों के विरूद्ध प्रकरण कुल 462 प्रकरण दर्ज कर 700 डायरेक्टरों/पदाधिकारियों को गिरफ्तार किया गया।

राज्य में 99 प्रकरणों में चिटफंड कम्पनियों की 141.51 करोड़ रूपए की सम्पत्ति की कुर्की एवं नीलामी का आदेश न्यायालय द्वारा दिया जा चुका है, जिसके परिपालन में 55 करोड़ रूपए की राशि सम्पत्ति की नीलामी से पहले ही प्राप्त हो चुकी है। यश ड्रीम रीयल स्टेट कम्पनी की दुर्ग जिले के विभिन्न स्थानों पर स्थित सम्पत्तियों की नीलामी से 42.77 करोड़ रूपए की राशि को मिलाकर शासन को लगभग 97.77 करोड़ रूपए की राशि शासन को प्राप्त हो चुकी है। न्यायालय में चिटफंड कम्पनियों की लगभग 68 करोड़ रूपए की सम्पत्ति की नीलामी के लिए कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

गर्भवती महिलाएं व मरीज परेशान

» महतारी एम्बुलेंस के कर्मचारी कर रहे हड़ताल

बलौदाबाजार,20 सितंबर 2023(ए)। गांव-गांव स्वास्थ्य सेवा पहुंचाने वाले 102 नंबर एम्बुलेंस स्वास्थ्य सेवा कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं. कर्मचारियों की हड़ताल की वजह से महतारी एम्बुलेंस खड़ी हो गई है, जिससे गर्भवती महिलाओं को तकलीफों का सामना करना पड़ रहा है। हड़ताल पर बैठे कर्मचारियों का कहना है कि वे लोग विगत 10 वर्षों से जेवीके कंपनी के अंतर्गत 102 एम्बुलेंस सेवा में कार्य कर रहे हैं और अब शासन ने यह ठेका दूसरी कम्पनी केम्प को दे दिया है, जो अपनी हठधर्मिता दिखाते हुए हमें काम से निकाल रहे हैं. वहीं कर्मचारियों से आगे सेवा जारी रखने 50 हजार रुपए की मांग के साथ ही ईएमटी के लिए बीएससी नर्सिंग पास होना अनिवार्य बताकर नौकरी से निकाल रहे हैं, जो सही नहीं है. मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा था कि सरकार बनेगी तो हम आप लोगों को शासकीय करेंगे पर नहीं किया. हम चाहते हैं कि भूपेश है तो भरोसा है, उसे लागू कर हमें सहायता प्रदान करे। बता दें कि प्रदेशभर में चल रही इस सेवा का सबसे ज्यादा लाभ ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को मिलता है और पूरे प्रदेश में लगभग 1000 कर्मचारी इस सेवा मे लगे हैं, जिनके सामने अब रोजी रोटी की समस्या सामने आ रही है।

मुठभेड़ में 2 नक्सलियों को जवानों ने मार गिराया

दंतेवाड़ा,20 सितंबर 2023(ए)।

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्र दंतेवाड़ा से बड़ी खबर सामने आई है. दरभा डिविजन के हार्डकोर नक्सलियों से नहाड़ी के जंगलों में पुलिस फोर्स की मुठभेड़ हुई है. इस मुठभेड़ में जवानों ने दो नक्सलियों को मार गिराया है। जंगलों में पुलिस का सर्चिंग अभियान अभी भी जारी है. एएसपी आरके बर्मन ने इस मुठभेड़ की पुष्टि की है. यह मामला अरनपुर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, दंतेवाड़ा के नहाड़ी में सुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुआ है. इस मुठभेड़ में दो माओवादियों को पुलिस ने मार गिराया है. दोनों माओवादियों के शव को बरामद कर लिया गया है. एएसपी आरके बर्मन ने बताया अभी पुलिस पार्टी सर्च कर रही है।

हिमंत बिस्वा सरमा के बयान पर सीएम बघेल का पलटवार

» बोले-वे पहले पीएम मोदी का मुंडन कराएं,तब मानूंगा हिमंत हिंदू हैं...

रायपुर,20 सितंबर 2023(ए)। असम के सीएम और भाजपा नेता हिमंत बिस्वा सरमा की ओर से राहुल गांधी के हिंदू होने पर सवाल उठाए जाने पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पलटवार किया है। उन्होंने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि, प्रधानमंत्री मोदी जी ने अपनी माता के निधन पर सिर नहीं मुड़ाया, हिमंत बिस्वा सरमा पीएम मोदी का मुंडन कराएं, तब मानूंगा हिमंत बिस्वा सरमा हिंदू हैं।सीएम बघेल ने सीजीपीएससी मामले में हाईकोर्ट की टिप्पणी पर कहा कि, भाजपा नेता ननकीराम कंवर ही कोर्ट गए हैं, कोर्ट का जो आदेश है उसका हम पालन कर रहे हैं। 2003 में पीएससी भर्ती इन्हीं के शासनकाल में हुआ था। 2016 में फैसला आया था कि, मेरिट लिस्ट में गड़बड़ी हुई है। उसके बाद सरकार सुप्रीम कोर्ट गई थी, अब तक मामले में फैसला अपेक्षित है। न्यायालय जांच का आदेश देती है तो जांच कर लेंगे।सीएम भूपेश ने कांग्रेस की 21 सितंबर को ओजित महिला सम्मेलन को लेकर कहा कि, आरएसएस और भाजपा वैसे भी महिला विरोधी हैं। हम महिला सम्मेलन कर रहे हैं, प्रियंका गांधी कल आ रही हैं।

असम के सीएम हिमंता सरमा का बयान

सिंहदेव कांग्रेस के एकमात्र अच्छे नेता हैं और मेरे अच्छे मित्र

रायपुर,20 सितंबर 2023(ए)।

अपने बयानों के चलते हमेशा चर्चित रहने वाले असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्वा सरमा ने छत्तीसगढ़ में भी एक बयान देकर नई चर्चा छेड़ दी है। भाजपा कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में मीडिया से चर्चा में हिमंत सर्मा ने कहा कि टीएस सिंहदेव कांग्रेस के एकमात्र अच्छे नेता हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सिंहदेव मेरे अच्छे मित्र भी हैं।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में एक अच्छे कांग्रेसी टीएस सिंहदेव हैं। खुलकर बोलते हैं कि मोदी जी सब कुछ दे रहे हैं।

'भूपेश अगर हिंदू हैं तो राहुल को रामलला के मंदिर लेकर जाएं'

असम के मुख्यमंत्री ने छग के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को खुली चुनौती देते हुए कहा कि वे जरा भी हिन्दू हैं तो राहुल गांधी को रामलला के मंदिर लेकर जाएं। यदि चुनावी हिन्दू मात्र नहीं हैं तो राहुल को अयोध्या लेकर जाएं। कांग्रेस दुनिया की सबसे बड़ी साम्प्रदायिक पार्टी है। भाजपा वसुधैव कुटुम्बकम, सबका साथ सबका विकास की धारणा पर काम करती है।

'छत्तीसगढ़ में होगा सत्ता परिवर्तन'

छत्तीसगढ़ के आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर उन्होंने कहा कि मैंने जनता के बीच महसूस किया कि छत्तीसगढ़ की जनता ऐसी सरकार चाहती है कि कहीं 'बाबर' का नाम नहीं रहे। हर जगह प्रभु श्री राम का नाम ही रहे। छत्तीसगढ़ में परिवर्तन की लहर चल रही है। भाजपा की सरकार बनेगी और छत्तीसगढ़ विकसित राज्य बनेगा।

महिला आरक्षण से होगा क्रांतिकारी बदलाव

हिमंता विश्वा सरमा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला आरक्षण विधेयक लोकसभा के पटल पर रखा। यह कदम महिला उत्थान की दिशा में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा।

'युवाओं को भत्ता नहीं रोजगार चाहिए'

भाजपा कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए हिमंता ने कहा कि भूपेश बघेल सरकार 10 लाख युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने की जगह 1 लाख को भत्ता दे रही है। बेरोजगारी भत्ता क्यों? रोजगार क्यों नहीं ? हमारे युवाओं को भत्ता नहीं रोजगार चाहिए। हमने 1 लाख नौकरी देने का वादा किया था, 90 हजार सरकारी नौकरी दे दी है। तेलंगाना के लिए कांग्रेस कह रही है कि चुनाव जीते तो महिलाओं के खाते में पैसा देंगे। छत्तीसगढ़ की माताओं बहनों ने क्या बिगाड़ा है। यहां क्यों नहीं दिया।

धान खरीदी को लेकर कहा ये

धान खरीदी मुद्दे पर उन्होंने कहा कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना नाम कहाँ से आ गया। क्या राजीव गांधी फाउंडेशन से पैसा दे रहे हैं, क्या कांग्रेस पैसा दे रही है? छत्तीसगढ़ का पैसा छत्तीसगढ़ के किसान को देते हैं और नाम राजीव गांधी का लेते हैं। मोदी जी 2100 रुपये देते हैं तो वह क्यों नहीं बताते।

हिंदू रीति से अंतिम संस्कार करने पर पादरी ने परिजनों को पीटा

चर्च के विरोध में उतरे ग्रामीण

जगदलपुर,20 सितंबर 2023(ए)।

जगदलपुर की सीमा से लगे नगरनार थाना क्षेत्र के सेमरा पंचायत में चार दिन पहले मतांतरित कुरसोनाथ बघेल (45) की मौत के बाद गांव की रीति के अनुसार उसका अंतिम संस्कार हिंदू रीति-रिवाज से किया गया। इसे लेकर अब मतांतरित समुदाय और ग्रामीणों के बीच विवाद छिड़ गया है।

मृतक के साढ़ू रामसाय बघेल ने चर्च के पादरी जीतू पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। इस बात से भड़के ग्रामीण अब गांव में बन रहे चर्च को अवैध बताते हुए उसे तोड़ने व आरोपित पादरी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन को इसके लिए एक सप्ताह का अल्टीमेटम देते हुए सड़कजाम करने की बात कही है। रामसाय बघेल ने बताया कि हिंदू रीति रिवाज के अनुसार दस दिन के बाद मृत्यु संस्कार किए जाने थे पर चर्च के पादरी जीतू व मतांतरित समुदाय के लोग तीसरे दिन गांव पहुंचे और बैठक कर ईसाई रीति-रिवाज से मृत्यु संस्कार करने लगे। इसका विरोध करने और समझाने पर पादरी जीतू व उसके बेटे ने मारपीट की। सरपंच बुधरी बघेल ने बताया कि गांव के महारा समुदाय के कुरसोनाथ बघेल कुछ वर्ष पहले मतांतरित हो गया था। जिस पर ग्रामीणों ने गांव की सीमा के अंदर शव दफनाने से मना कर दिया तो परिवार की सहमति पर गांव में ग्रामीणों की उपस्थिति में हिंदू रीति-रिवाज से उसका अंतिम संस्कार किया गया। इसके तीसरे दिन मतांतरित समुदाय के लोग गांव पहुंचे और ईसाई रीति-रिवाज से मृत्यु संस्कार करने लगे। ग्रामीणों को इस बात का पता चलता तो वे इसका विरोध जताने पहुंचे, जिस पर मतांतरित समुदाय के लोग हमलावर हो उठे। मृतक के साढ़ू भाई रामसाय बघेल की पादरी जीतू व उसके बेटे ने मिलकर पिटाई कर दी। इसके बाद गांव में बजरंग दल व विश्व हिंदू परिषद को सूचना देने के बाद पुलिस को शिकायत की गई है।

चर्च बनाने नहीं ली ग्रामसभा की अनुमति

गांव की शासकीय भूमि पर मतांतरित समुदाय की ओर से चर्च बनाया जा रहा है, जिसके लिए ग्राम सभा से कोई अनुमति भी नहीं ली गई है। ग्रामीणों ने चर्च को अवैध बताते हुए इसे तोड़ने के लिए एसडीएम नंदकुमार चौबे को लिखित में मांग पत्र सौंपा है। एक सप्ताह में कार्रवाई नहीं करने पर सड़कजाम कर विरोध प्रदर्शन करने का अल्टीमेटम दिया है। बस्तर में आदिवासियों और ग्रामीणों को प्रलोभन देकर मतांतरण करवाकर सनातन संस्कृति को नष्ट करने का प्रयास किया जा रहा है। इससे गांव-गांव में तनाव की स्थिति बन रही है। चर्च के लोग अब ग्रामीणों से मारपीट पर उतारु हो रहे हैं, ऐसे लोगों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। थाना प्रभारी शिवानंद सिंह ने बताया कि इस मामले की विवेचना की जा रही है। नंदकुमार चौबे, एसडीएम जगदलपुर ने कहा कि सेमरा में अवैध चर्च बनाने की शिकायत मिली है। इसकी जांच के लिए तहसीलदार को कहा गया है।

आईईडी ब्लास्ट में जवान घायल,नक्सलियों ने किया था प्लांट

दंतेवाड़ा,20 सितंबर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के अरनपुर जगरगुंडा सड़क पर नक्सलियों ने आईईडी विस्फोट किया है। इसकी चपेट में आने से एक जवान घायल हो गया है। बताया जा रहा है कि, नक्सलियों ने रोड ओपनिग पार्टी को निशाना बनाने आईईडी प्लांट किया था। इस घटना की पुष्टि एएसपी आरके बर्मन ने की। मिली जानकारी के अनुसार, अरनपुर से जगरगुंडा के बीच सड़क निर्माण का कार्य चल रहा है। सड़क की सुरक्षा के लिए सीआरपीएफ, डीआरजी के जवानों की ओर से सुरक्षा प्रदान की जाती है। बुधवार को भी काम शुरू होने से पहले जवानों की ओर से क्षेत्र को कार्डन किया जा रहा था। इसी बीच जंगलों में आईईडी ब्लास्ट हुई, जिसमें सीआरपीएफ के एक जवान को मामूली चोट आई है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आरके बर्मन ने बताया कि, जवान को मामूली चोट आई है। क्षेत्र में सर्च आपरेशन किया जा रहा है।

स्कूलों में कार्यरत अंशकालीन सफाई कर्मी और रसोइयों को शिक्षा विभाग ने दिया तोहफा,

शिक्षा विभाग ने की इनके मानदेय में बढ़ोतरी

रायपुर,20 सितंबर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में शिक्षा सुविधाओं में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले अंशकालीन सफाई कर्मी भाई-बहनों को एवं मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम से जुड़े रसोइयों को स्कूल शिक्षा विभाग ने बड़ी राहत प्रदान की है। विभाग ने इनके मानदेय में 500 रुपए की बढ़ोतरी की है। स्कूल शिक्षा विभाग ने वित्त विभाग की ओर से पखवाड़े भर पहले वृद्धि पर सहमति प्रदान करने के बाद यह बढ़ोतरी की है।

दीपक बैज के खिलाफ रायपुर के सिविल लाइन थाने में शिकायत

रायपुर,20 सितंबर 2023(ए)। दीपक बैज के खिलाफ रायपुर के सिविल लाइन थाने में शिकायत हुई है. बीजेपी ने आरोप लगाया है कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस के सोशल मीडिया पर यह लिखकर प्रचारित किया गया था कि देश के प्रधानमंत्री छत्तीसगढ़ आकर झूठ बोलकर चले गए कि ÷छत्तीसगढ़ में त-20 की बैठक कब हो गई तथा क्रस्ह इंडिया जनता को बताए ऐसा कब हुआ?÷ यह कथन कहा गया। ट्विटर की फर्जी पोस्ट को लगातार उजागर करता है, उसने छत्तीसगढ़ कांग्रेस के उक्त पोस्ट को फर्जी पोस्ट करार दिया है। इस मुद्दे पर आक्रोश व्यक्त करते हुए विधि प्रकोष्ठ रायपुर द्वारा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षएवं कांग्रेस के सोशल मीडिया संयोजक के खिलाफ भ्रामक एवं झूठी जानकारी फैलाने के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही करने हेतु थाना प्रभारी सिविल लाइन को ज्ञापन सौंपा गया।

लोगों का कहना है सच लिखो...पर कैसे लिखूं...

12 नोटिस और 3 एफआईआर मिला है तोहफे में ?

जनता सच जाना पढ़ना चाहती है और सच बताने में कानून के रक्षक व सत्ता से जुड़े लोग रोड़े अटकाते हैं

जनप्रतिनिधियों पर एफआईआर दर्ज करना मुश्किल पर पत्रकारों पर एफआईआर दर्ज करना आसान क्यों ?

मेरी कलम से मेरी आपबीती!

पत्रकार

कभी सत्ता पक्ष के जनप्रतिनिधियों की आलोचना करना पत्रकार को पड़ता है महंगा,तो कभी शासन प्रशासन की कमियां बताना पत्रकार के लिए मुसीबत

आलोचनाएं निश्चित रूप से किसी को अच्छी नहीं लगती यह मानवीय गुण है

आलोचनाएं निश्चित रूप से किसी को अच्छी नहीं लगती यह मानवीय गुण है लेकिन यह आम मानव मनुष्य के लिए एक गुण माना जाता है जिसको लेकर मुझे कुछ नहीं कहना रहता कभी लेकिन जब बात लोकतांत्रिक ढांचे की हो जब बात व्यवस्था और सरकारी तंत्र से जुड़े लोगों की हो तब आलोचनाएं स्वीकार्य होनी चाहिए यही मेरे खबरों का आज तक का उद्देश्य रहा। सार्वजनिक जीवन सार्वजनिक हित संवर्धन जिम्मेदारी सभी को नहीं मिलती वह खास और कुछ सीमित लोगों को मिलती हैं और उन्हे आलोचनाओं को लेकर हर पल तैयार रहना चाहिए उसे स्वीकार करना चाहिए यही मैंने अपनी एक धारणा बनाई हुई है और उसी अनुरूप मेरी खबरें होती हैं। खबरें भी मेरी या मेरे द्वारा प्रकाशित खुद की मानसिकता से या खुद की प्रेरणा से जनित होती हैं यह कहीं कोई नहीं पायेगा और न सिद्ध कर पाएगा मैने उन्ही विषयों पर पत्रकारिता धर्म का पालन करते हुए कुछ लिखा या प्रकाशित कराया जो देखा सुना या जिनके कुछ प्रमाण मेरे पास सूत्रों ने उपलब्ध कराए। लेकिन यही निस्पक्षता यही पत्रकारिता धर्म परायणता मेरे लिए कब घातक होती चली गई मैं समझ नहीं सका।

खबरों सहित लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के विषय में लोगों को भी मैने हमेशा अलग अलग तरह से हर बार बदलते देखा

खबरों सहित लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के विषय में लोगों को भी मैने हमेशा अलग अलग तरह से हर बार बदलते देखा महसूस किया, जब किसी अन्य की आलोचना हुई मय सबूत दूसरा प्रसन्न दिखा, लेकिन जब उसकी स्वयं की कोई बात आई वह नाराज हुआ। कुल मिलाकर क्षण क्षण में मेरे लिए लोग अलग अलग विचार रखते मुझे महसूस हुए कभी मैं उनका लगा उन्हे कभी उनका दुश्मन लगा, फिर भी मैंने परवाह किए बगैर अपना धर्म निभाना जारी रखा। सभी के लिए मेरे विषय में धारणा बदलती रही और वह अलग अलग समय पर अलग अलग विचार रखते रहे यह कहना भी पूरी तरह गलत होगा कुछ पाठक आरंभ से मेरे लिए मेरी प्रेरणा रहे जिन्होंने उत्साहित किया और मुझे सच लिखने की हिदायत के साथ यह भी सचेत किया की बचाकर भी खुद को चलना है उनका मैं आभारी हूं वरना शेष ने समय समय पर साथ दिया और साथ छोड़ा भी जब उन्हे अपना नुकसान दिखा मुझसे जुड़कर।

कार्यालय पुलिस अनुविभागीय अधिकारी, बैकुण्ठपुर
जिला कोरिया (छ0ग0)
// कारण बताओ नोटिस //
पुलिस अनुविभागीय अधिकारी
बैकुण्ठपुर, जिला कोरिया (छ0ग0)

-रवि सिंह-
बैकुंठपुर,20 सितम्बर 2023
(घटती-घटना)।

कभी पत्रकारिता समाज का दर्पण कहलाया करता था, जिसमें सभी का चेहरा दिखाया जाता था पर इस समय दर्पण मानना कोई नहीं चाहता, यदि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ पत्रकारिता यदि दर्पण दिखता है तो उसके लिए ही समस्या खड़ी हो जाती है, लोग चाहते तो हैं कि लोकतंत्र निष्पक्ष और निर्भीक होकर सच दिखाएं पर कैसे सच दिखाएं सच दिखाने पर परेशानियां भी कम नहीं होती? कभी प्रशासनिक नोटिस पत्रकार को परेशान करते हैं तो कभी छलपूर्वक एफआईआर उसके लिए मानसिक अवसाद का कारण बनती है। दैनिक घटती-घटना के पत्रकार को सच दिखाने के चक्कर में तकरीबन एक दर्जन से ज्यादा नोटिस मिल चुका है और तीन एफआईआर दर्ज हो चुके हैं उसके ऊपर वहीं न्यायालय में परिवाद भी झूठी शिकायतों पर दर्ज हो रहा है। यदि मैं खुद की बात करूं तो पत्रकारिता पेशे से जुड़ने की मेरी ईक्षा कब मेरे मन में बलवत होती चली गई मैं नहीं जान सका, लेकिन जबसे इस पेशे से जुड़ा निष्पक्ष होकर मैंने अपना धर्म लोकतंत्र के चौथे स्तंभ होने का निभाया। खबर प्रकाशन को लेकर मैने हमेशा आइना दिखाने का ही प्रयास किया जो पत्रकारिता का मूल उद्देश्य था है और रहेगा लेकिन उसे कुछ ने स्वीकार किया वहीं कुछ ने अस्वीकार किया, निष्पक्ष होकर लिखना और उसका प्रकाशन भी करना यह बड़ी बात नहीं है लेकिन इसके लिए एक मजबूत ईक्षाशक्ति की जरूरत होती है जिसका आभाव मैंने खुद में आज तक तो नहीं पाया। निष्पक्ष लेखन पत्रकारिता क्षेत्र में मेरी इस हिसाब से भी मानी जाने लगी की मेरे प्रकाशन या मेरी विचारधारा मेरी सोच नकारात्मक है और उसी हिसाब से खबरों का मेरी पठन किया जाता रहा। मैने किसी की परवाह नहीं की लिखता गया मुझे अपने समाचार पत्र समूह का भी साथ मिला, जिन्होंने खबरों को लेकर कभी समझौता नहीं किया और इस तरह एक निष्पक्ष और निस्वार्थ भाव खबरों के प्रति मेरी लोग देखते पढ़ते रहे।

अभी तो मुझे छोटे-मोटे मामलों में ही उलझाया गया है कब कोई बड़ा मामला बना दिया जाए इसकी संभावना बनी हुई है...

आज पत्रकारिता क्षेत्र बड़ा व्यापक और बड़ा वृहद आकर्षित करने वाला क्षेत्र है जो लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है और लोग इस क्षेत्र में आ रहे हैं, वहीं यदि पत्रकारिता क्षेत्र में यदि कोई निष्पक्ष होता है उसकी पूरी तरह उन्मूलन में सत्ता व व्यवस्था से जुड़े लोग लग जाते हैं। मुझे आज तक जितने मामलों में उलझाया गया जो उलझाने वाले भी जानते हैं की उनके आरोप कितने सही हैं उनमें से सभी की बानगी भी मैं प्रस्तुत कर रहा हूं। उद्देश्य मेरा यह नहीं है की मुझे सहानुभूति मिले मुझे किसी का समर्थन मिले उद्देश्य इतना मात्र इस लेख का की पाठक भी जाने की निष्पक्ष होकर पत्रकारिता करना कितना जोखिम भरा काम होता है। और अभी तो मुझे छोटे मोटे मामलों में ही उलझाया गया है कब कोई बड़ा मामला बना दिया जाए इसका भी कोई भरोसा नहीं इसलिए पहले से ही आशकाओं को पाठकों के सामने रखना मेरा कर्तव्य, वैसे मैंने अपने किसी लेख समाचार से आज तक किसी समुदाय धर्म सहित किसी व्यक्ति के लिए ऐसा कोई अघात नहीं पहुंचाया जो प्रायोजित हो या जो मेरी मंशा से जनित कोई विषय रहा हो जो कुछ तथ्य सहित सामने आया वह खबर मैंने प्रकाशित करने का अपना धर्म निभाया किसी को अच्छा लगा किसी को बुरा। वैसे खबर कर्ण प्रिय ही हो यह सोचकर ही यदि सत्ता राजनीति या व्यवस्था से जुड़े लोग चलते हैं तो उन्हे पत्रकारिता पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा देना चाहिए, वहीं या तो सेंसर बोर्ड की तरह किसी इकाई का निर्माण करना चाहिए जहां से परिक्षण उपरांत ही कोई समाचार प्रकाशित हो सके, ऐसे में कभी सच से किसी को परेशानी नहीं होगी साथ ही वह समाचार प्रकाशित होगा जो सत्ता राजनीति साथ ही व्यवस्था से जुड़े लोग पसंद करते हैं उनकी मंशा जैसे अखबारों को समाचारों को लेकर होती है जिसमे सच के शिवाय सब कुछ होता है।

सुधि पाठक सच पढ़ना,सुनना सभी चाहते हैं लेकिन वह सच अपने लिए नहीं सुनना चाहते क्यों ?

सुधि पाठक सच पढ़ना सुनना सभी चाहते हैं लेकिन वह सच अपने लिए वह नहीं सुनना चाहते और यही वजह है की सच लिखने वाला आज हाशिए पर है अपराधी उसे बनाने में कोई संकोच नहीं किया जा रहा है, जबकि न्याय का कहना है अपराधी भले कई बच जाएं एक निर्दोष न प्रभावित हो किसी मामले में लेकिन निष्पक्ष पत्रकारिता मामले में सच यह है की सबसे बड़ा सबसे संगीन जुर्म करने वाला अपराधी आज के युग में वही है जो सच लिखता है और सच का एक एक शब्द समाचारों में प्रकाशित करता है।

सबसे पहला नोटिस मनेंद्रगढ़ विधायक के करीबी पार्षद का- मुझे एक खबर प्रकाशन के बाद या प्रकाशन मामले में पहला नोटिस एक पार्षद के शिकायत पर भेजा गया था कानूनी जो मनेंद्रगढ़ विधायक के करीबी थे और जिसमे मैंने उपस्थिति होकर कानून का पालन किया था जवाब दिया था जहां मुझे घंटो बैठाया गया था और मुझे परेशान करने में कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ी गई थी।

दूसरा नोटिस तत्कालीन बैकुंठपुर तहसीलदार का- दूसरा नोटिस मुझे तत्कालिन तहसीलदार बैकुंठपुर का प्राप्त हुआ था जिसमे मुझे राज्य महिला आयोग के समक्ष प्रस्तुत होना पड़ा था और मैंने वहां भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी कानून का पालन किया था। मामला सत्य खबरों की ही वजह से था और मेरी खबरों को ही शिकायत का आधार बनाया गया था।

तीसरा नोटिस श्रमिक नेता का- मुझे तीसरा कानूनी नोटिस कोयला कामगार एक मजदूर संघ के नेता द्वारा भेजा गया था जिसमे भी मेरी खबरों को ही आधार बनाया गया था शिकायत के लिए।

चौथा नोटिस पटना के एक डॉक्टर का- चौथा नोटिस मुझे पटना निवासी एक डॉक्टर ने भेजा था जिसमे भी मैने जवाब कानून का पालन करते हुए दिया था जबकि मुझे बेवजह दिनभर बैठाए रखा गया था जवाब लेने मात्र के लिए और शिकायत का आधार एक खबर ही थी।

पांचवा नोटिस भाजपा के जिलाध्यक्ष की शिकायत पर- पांचवां नोटिस भाजपा जिलाध्यक्ष ने भेजा था और जिसका भी मैने जवाब कानून का पालन करते हुए दिया था और जो भी समाचारों के कारण ही भेजा गया था जो जानकारी सामने आई।

छठवां नोटिस बैकुंठपुर के एक अधिवक्ता की शिकायत पर- छठवां नोटिस बैकुंठपुर के एक अधिवक्ता के माध्यम से मुझे मिला था जिसमे भी मेरी खबर ही उनकी शिकायत की वजह थी जिसमे मैंने नियमानुसार जवाब दाखिल किया था।

सातवां नोटिस एक एडिशनल एसपी पखांजूर की शिकायत पर- सातवां नोटिस मुझे एक एडिशनल एसपी ने भेजा था जिन्होंने पंखाजूर से नोटिस भेजा था जो भी खबरों के लिए ही भेजा गया नोटिस था।

आठवां नोटिस तत्कालीन एसडीएम बैकुंठपुर- आठवां नोटिस मुझे तत्कालीन श्री दुबे एसडीएम बैकुंठपुर ने भेजा था जिसका आधार भी खबर ही था।

तकरीबन 4 नोटिस कोरिया पुलिस का- चार अलग अलग नोटिस अब तक कोरिया पुलिस का मुझे प्राप्त हो चुका है जिसमे भी मेरी खबरें उन्हे अप्रिय लगीं इसलिए उन्होंने नोटिस भेजा यह नोटिस की ही बातें विषय बताती हैं।

पहला एफआईआर एक वायरल चैट पर,जिसे बनाया था खबर- मुझ पर सबसे पहला एफ आई आर एक वायरल चैट को खबर बनाए जाने के कारण दर्ज किया गया और उस वायरल चैट पर अपराध तो मुझ पर दर्ज किया गया लेकिन उसकी सच्चाई आज तक पुलिस सामने नहीं रख सकी क्योंकि मामला विभागीय था।

दूसरा एफआईआर भाजपा जिलाध्यक्ष के शिकायत पर- भाजपा जिलाध्यक्ष के एक शिकायत को आधार बनाकर मुझ पर दूसरा प्रकरण दर्ज किया गया और मजेदार बात यह है की जिस मामले में अपराध दर्ज किया गया वह शिकायत ही भाजपा जिलाध्यक्ष एक तरह से वापस ले चुके हैं उन्हे कोई कार्यवाही मामले में नहीं चाहिए अपनी शिकायत मामले में वह लिखकर दे चुके हैं लेकिन फिर भी अपराध दर्ज किया गया।

तीसरा एफआईआर एक अन्य के नाम से जिसकी जानकारी अभी तक मिल नहीं पाई- एक अन्य अपराध दर्ज किया गया है क्या मामला है जानकारी नहीं मिल सकी है अब तक लेकिन अपराध दर्ज किया गया है सूत्रो का कहना है। अब वह किस मामले और किस खबर को आधार बनाकर दर्ज किया गया है यह जब वह मामला सामने आएगा तभी पता चल पाएगा।

आज मुझे मेरी निष्पक्षता और मेरी धर्म परायणता का काफी इनाम भी मिल चुका है

आज मुझे मेरी निष्पक्षता और मेरी धर्म परायणता का काफी इनाम भी मिल चुका है पत्रकारिता क्षेत्र में काम करते हुए निष्पक्ष समाचारों का प्रकाशन करते हुए जिसमे आज तक के मेरे सम्पूर्ण प्रकाशन के दौरान के कई प्रकाशनों को लेकर मुझे अब तक 12 कानूनी नोटिस मिल चुके हैं और तीन मामले कानूनी मेरे ऊपर पंजीबद्ध किए जा चुके हैं। जनता आज भी है कुछ जो प्रतिदिन कुछ न कुछ व्यवस्थागत सच जानना चाहती है मैं स्वयं मंशा रखता हूं की मैं निष्पक्ष होकर जनता के सामने सच लाता रहूं लेकिन यह कब तक संभव रह सकेगा यह कह नहीं सकता मैं। सच लिखने पर कानूनी नोटिस लेकर पुलिस दरवाजे पर आ रही है कुछ मामलो में अपराध भी पंजीबद्ध करने की जुगत में लगी रहती है ऐसे में सच की बात कैसे करूं कैसे प्रकाशन करूं समझ में नहीं आ रहा है। अपने पूरे पत्रकारिता क्षेत्र के कार्यकाल के दौरान आज तक मैंने आर्थिक लाभ की कामना या मंशा किसी के समक्ष नही रखी मैंने यह माना की यह सच के सामने का रोड़ा है। अब उसके बावजूद भी इल्जाम कई लगे जिनमे आर्थिक लाभ लेने मांगने के बारे में शिकायतें हुई, नाराजगी उनसे भी नहीं जिन्होंने ऐसी शिकायतें की उनकी मजबूरी थी उन्हे उनके विरुद्ध उनकी करनी का सार्वजनिक प्रकाशन नापसंद था इसलिए उन्होंने आरोप लगाए लेकिन वह स्वयं जानते हैं की उनके आरोप कितने सच हैं और वह कितने विश्वास के साथ आरोपों को साबित कर सकते हैं। आज व्यवस्था को लेकर लगातार कई बातें सामने आती रहती हैं सूत्रों से ही जानकारी मिलती रहती है, सूत्र से मिली जानकारियां ही खबरों का स्वरूप लेती हैं लेकिन जब वह खबर बन जाती हैं वहीं से खबर प्रकाशित करने वाले के लिए समस्या खड़ी हो जाति है।

हर व्यक्ति की मंशा है की खबरों में उनका नाम प्रकाशित जरूर हो लेकिन उसमे उनकी महिमा की,आलोचना वह सहन नही करने वाले

आज व्यवस्था से जुड़े हर व्यक्ति की मंशा है की खबरों में उनका नाम प्रकाशित जरूर हो लेकिन उसमे उनकी महिमा जरूर उल्लेखित हो आलोचना वह सहन नही करने वाले यह वह जताते चले आ रहे हैं। किसी खबर का प्रकाशन यदि मेरे द्वारा किया जाता है तो उससे जुड़ी उसके गुण और उसके दोष का भी प्रकाशन हो यह मेरा प्रयास होता है, वहीं यही बात खबरों को लेकर व्यवस्था से जुड़े लोगों को स्वीकार नहीं। अब ऐसे में निष्पक्ष और स्वतंत्र लेखन कैसे संभव होगा यह विचारणीय है। मैने खुद पर दर्ज या खुद के लिए जारी कानूनी नोटिसों की भी परवाह कभी नहीं की और लिखता रहा जो मुझे जानकारियां मिलती रहीं, आज उसका परिणाम ही है की दोस्तों से ज्यादा मेरे विरोधी मेरे साथ हैं आस पास हैं। राजनीतिक क्षेत्र में भी मैंने काफी कुछ लिखा और उस दौरान मैंने विचित्र स्थिति पाई राजनीतिक क्षेत्र में पल पल में खबरों का स्वरूप बदलने का दबाव मुझे सामने से देखने को मिला। कौन कब किस करवट बैठेगा यह मैने राजनीतिक क्षेत्र के विषय लेखन के दौरान अपनी समझ से परे समझ माना।

कब समर्थक कब विरोधी ऐसे मामले मेरे सामने कई बार आते रहे और मैंने इस दौरान पाया की यह क्षेत्र विचित्र क्षेत्र है

कब समर्थक कब विरोधी ऐसे मामले मेरे सामने कई बार आते रहे और मैंने इस दौरान पाया की यह क्षेत्र विचित्र क्षेत्र है और यहां सिद्धांत नहीं अवसर और व्यक्तिगत लाभ के उद्देश्य से लोग जुड़े हुए हैं जिसकी वजह ही है की उनकी विचारधारा कब बदल जाए कहा नहीं जा सकता। आज मेरे समक्ष एक विकट स्थिति है,आज मेरी खबरों में से एक शब्दों का चयन किया जा रहा है और उसके अनुसार मुझे दोषी और अपराधी घोषित करने का प्रयास जारी है जो विषय सुधि पाठकों के समक्ष प्रस्तुत है। वैसे पत्रकारिता को आय का और बेहतर आय का जरिया मैंने बनाया होता आज वह लोग जो मुझे परेशान करने में लगे हुए हैं वह मेरा गुणगान करते मुझे मान सम्मान देते यह मैं स्वीकार करता हूं, लेकिन मैंने ठान रखा है की जबतक संभव होगा मैं अपनी निष्पक्षता कायम रखूंगा जिसको लेकर मेरे प्रयास जारी हैं और जारी रहने वाले हैं शेष अब जब तक अवसर मिलता रहे।

सत्यता की जांच का काम पत्रकार का नहीं होता...

वैसे जनचर्चा साथ ही सूत्रों से मिली जानकारी ही खबरें बनती हैं और उसकी सत्यता की जांच का काम पत्रकार का नहीं होता, इसके लिए बकायदा शासकीय विभाग तय हैं और वह अपना काम करते रहें यदि निष्पक्ष और निस्वार्थ होकर उन्हे किसी पर अपराध खबरों के आधार पर दर्ज करने की जरूरत नही पड़ेगी। अभिव्यक्ति की आजादी सभी को है और उसी का पालन समाचार लेखन में भी किया जाता है, अब अभिव्यक्ति भी यदि दबाई जायेगी कुचली जायेगी तो फिर अभिव्यक्ति की स्वंतत्रता की बात स्वतंत्र राष्ट्र में करना ही बेमाने साबित होती रहेगी। खबरें सत्यता के करीब होती हैं जब वह सूत्र जनित या जन चर्चाओं अनुसार प्रकाशित होती हैं वहीं घट चुकी घटनाओं से भी समाचार ही अवगत कराते हैं जनसामान्य को। वैसे यदि कोई विषय सत्यता के करीब है तो उसकी सत्यता प्रमाणित करने का काम कानून का है यदि वह सत्य साबित कभी नहीं भी होता तो उसको लेकर अपराध दर्ज करना कितना उचित नोटिस भेजना कितना उचित यह विचारणीय पहलू है। वैसे द्वेष एक अलग विषय हो सकता है अपनी ख्याति के विरुद्ध सही आरोप भी गलत लगना महसूस होना मानव स्वभाव है और उसके बावजूद सब कुछ सुन समझकर आगे बढ़ना न्याय के साथ आगे बढ़ना ही मिली जिम्मेदारी का सही निर्वहन माना जायेगा।

भटगांव विधानसभा क्षेत्र से सफी अहमद को टिकट दिलाने उमड़ा जनसैलाब

युवा कांग्रेस और एनएसयूआई का समर्थन सफी अहमद को

सूरजपुर जिले के युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष नरेंद्र कुमार यादव और एनएसयूआई के प्रदेश महासचिव सरफराज खान ने भटगांव सभा स्थल पहुंचकर युवा कांग्रेस और एनएसयूआई की तरफ से सफी अहमद को समर्थन का ऐलान करते हुए टिकट दिए जाने की मांग किया है।

-संवाददाता-
सूरजपुर,20 सितम्बर 2023
(घटती-घटना)।

चुनावी घमासान के बीच जहां बीते मंगलवार को भैयाथान के आमसभा में असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्व सरमा ने कांग्रेस सरकार पर जमकर हमला बोलते हुए सरकार को जनता के बीच कटघरे में खड़ा करते हुए सरकार से कई सवाल पूछे।तो वहीं हिमंता विश्व सरमा के सभा स्थल से 15 किलोमीटर दूर भटगांव में कांग्रेस की टिकट के लिए शक्ति प्रदर्शन चल रही थी। विधायक पारसनाथ राजवाड़े व सफी अहमद के बीच टिकट के लिए कार्यकर्ताओ की रायशुमारी लेने की प्रक्रिया चल रही थी। कार्यकर्ताओं की रायशुमारी लेने कांग्रेस पार्टी से नियुक्त पर्यवेक्षक चंदन यादव भटगांव पहुंचे थे जो विधानसभा में किसका जनाधार कितना है इसका टोह लेने पर्यवेक्षक कार्यकर्ताओ से बातचीत कर रहे थे। जिसके कारण भटगांव का राजनीतिक पारा काफी चढ़ा हुआ था।

बताया जाता है कि भटगांव विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 05 में कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी चयन के लिए वर्तमान विधायक पारस नाथ राजवाड़े और छत्तीसगढ़ श्रम बोर्ड के अध्यक्ष सफी अहमद के द्वारा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सचिव व छत्तीसगढ़ के सहप्रभारी चंदन यादव के समक्ष उक्त दोनों नेता अपने अपने समर्थकों के साथ उपस्थित होकर आगामी विधानसभा चुनाव के लिए भटगांव विधानसभा से टिकट मांग कर रहे हैं। वर्तमान विधायक व संसदीय सचिव पारस नाथ राजवाड़े के समर्थको में काफी कमी देखी गई। जहां उनके समर्थकों की संख्या महज 250 से 300 बताई जा रही है। जिसमे उनके सजातीय लोगों की संख्या ज्यादा बताई जा रही है। जो पर्यवेक्षक से श्री राजवाड़े को टिकट दिए जाने की मांग कर रहे थे। तो वहीं श्रम बोर्ड के अध्यक्ष सफी अहमद के पक्ष में हजारों की संख्या में उनके समर्थक उपस्थित रहे। जो ओडगी, बिहारपुर, भैयाथान के बताए जा रहे हैं। सफी अहमद के समर्थक हजारों की संख्या में एकजुटता के साथ छत्तीसगढ़ के सहप्रभारी चंदन यादव से सफी अहमद को टिकट देने का मांग किया। पार्टी से जुड़े कार्यकर्ताओं की माने तो आए पर्यवेक्षक से कार्यकर्ताओं ने यहां तक कह दिया कि सफी अहमद को भटगांव विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के द्वारा टिकट नहीं दिया जाता है तो हम कांग्रेस पार्टी के लिए काम नहीं कर पाएंगे क्योंकि वर्तमान विधायक के द्वारा अपने कार्यकाल में सक्रिय कार्यकर्ताओं का घोर उपेक्षा किया गया है।

कुदरगढ़ में प्राकृतिक गोबर पेंट से एसएचजी महिलाओं के जीवन में आई खुशियां

-संवाददाता-
सूरजपुर,20 सितम्बर 2023
(घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री लीना कोसम के निर्देश पर ग्रामीण औद्योगिक पार्क (रीपा) कुदरगढ़ में पेंट निर्माण की मशीन स्थापित कर पेंट निर्माण का कार्य किया जा रहा है। जनपद पंचायत ओड़गी के अंतर्गत ग्राम पंचायत कुदरगढ़ में सूरज आजीविका स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा गोबर पेंट का निर्माण किया जा रहा है। सूरज आजीविका समूह के संतोषी राजवाड़े, मीना, सुमिता, ननकुमारी, कमला, योगेश, अरुण के द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया गया है। रासायनिक पदार्थ तथा गोबर को निश्चित अनुपात में मिलाकर जैविक पेंट तैयार किया जाता है। प्रारंभिक रूप से सफेद रंग के पेंट, डिस्टेंपर तथा ईमल्शन तैयार किया जाता है तथा आवश्यकता अनुसार विभिन्न रंगों का पेंट तैयार किया जाता है। गोबर से निर्मित प्राकृतिक पेंट एंटीबैक्टीरियल, एंटी फंगल, पर्यावरण अनुकूल, गंध रहित गुण पाए जाते हैं। समूह के द्वारा गोबर पेंट 5207 लीटर राशि 10 लाख 86 हजार 320 का निर्माण किया गया है। जिसमें कुल पेंट 4563 लीटर राशि 9 लाख 53 हजार 420 रुपए का पेंट विक्रय कर चुकी है और लाभ कमा रही है। यह प्राकृतिक पेंट महिलाओं के जीवन में खुशहाली के रंग भर रहा है और महिलाएं आत्मनिर्भर हो रही हैं। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार सभी शासकीय कार्यालय एवं स्कूलों में रंग रोगन के लिए यह प्रयोग में लिया जा रहा है। गोबर पेंट इकाई के माध्यम से समूह की महिलाओं को स्वरोजगार का नया आयाम हासिल हुआ है। जिससे वह अपने और अपने परिवारों की आर्थिक सहयोग प्रदान कर रही हैं। पहले महिलाओं के द्वारा गौठानों में गोबर से वर्मी कंपोस्ट बनाया जा रहा था अब उसके साथ साथ रीपा के तहत गोबर पेंट बनाकर घरेलू महिलाएं सफल उद्यमी बनकर उभर रहे हैं।

परिवर्तन यात्रा में भी शैलेष शिवहरे ने दिखलाया अपना दम

जगह-जगह कराया स्वागत,पार्टी का प्रतीक चिन्ह कमल किया गया भेंट

सभा में कम भीड़ रहा चर्चा का विषय,संगठन पर सवालिया निशान

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,20 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

विधानसभा सीट से भाजपा की ओर से दावेदारी कर रहे शैलेष शिवहरे ने परिवर्तन यात्रा में भी अपना दम दिखलाया। जगह-जगह उन्होने समर्थको के साथ परिवर्तन यात्रा का स्वागत किया, टी शर्ट और मुखौटा लगाकर कार्यकर्ताओं ने शैलेष शिवहरे के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश की। तों वहीं बैकुंठपुर फौव्वारा चैक में भी उनके समर्थको ने यात्रा का अभूतपूर्व स्वागत किया,यहां महामाला के साथ नेताओं ने पार्टी का प्रतीक चिन्ह कमल का फूल भेंट किया गया ,जिससे कि एक अलग वातावरण देखने को मिला। यात्रा के दूसरे दिन भी उन्होने चिरमिरी मार्ग के सुरमी में यात्रा का स्वागत किया और मोटर सायकल रैली के माध्यम से विदा किया।

पोस्टर,बैनर में भी दिखे आगे

शैलैष शिवहरे न सिर्फ स्वागत,सम्मान और रैली में आगे रहे बल्कि पूरे शहर को भी उन्होने अपने रंग में रंग कर एक मजबूत दावेदार पेश करने में कोई कमी नही की,उनके द्वारा शहर के मुख्य सड़को से लेकर कई स्थानों में पोस्टर बैनर भी बड़ी संख्या में लगाए गए थे,जगह-जगह उनके पोस्टर बैनरों ने भी लोगो का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में आम जनों की मौजूदगी शून्य,संगठन पर सवालिया निशान

बतलाया जाता है कि परिवर्तन यात्रा के बाद नगरपालिका के समीप भाजपा द्वारा सभा का आयोजन किया गया था,लेकिन उक्त सभा स्थल पर आमजनों की भीड़ एकदम शून्य रही,जब यात्रा का आगमन शहर में हुआ उस वक्त भी सिर्फ नेता और कार्यकर्ता ही सड़को पर दिखलाई दिए। मोटर सायकल रैली में भी कुछ ही नेता के समर्थक नजर आए जबकि भाजपा संगठन द्वारा 1500 मोटर सायकल रैली का दावा किया जा रहा था। सभा स्थल पर सैकड़ो कुर्सियां खाली पड़ी रही,कम भीड़ की चिंता नेताओं के चेहरे पर स्पष्ट झलक रही थी। उल्लेखनीय है कि इस कार्यक्रम का पूरा जिम्मा भाजपा जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल ने ले लिया था,उनके रूखे व्यवहार और अड़ियल रवैये के कारण कई वरिष्ठ नेता भी कार्यक्रम से नदारद रहे। मंचीय उद्बोधन में भी जिलाध्यक्ष का तेवर देख लोगो ने अपनी नाराजगी जाहिर व्यक्त की और आपस में चर्चा करते सुने गए कि जिलाध्यक्ष जैसे अहम पद पर बैठे व्यक्ति को सहज सरल होना चाहिए,जिलाध्यक्ष के बर्ताव एवं कार्यशैली के कारण भी सभा में कम भीड़ आई ऐसा पार्टी के लोगो का ही कहना है।

प्रदेश भाजपा के सोशल मीडिया पेज पर बैकुंठपुर की आमसभा को जगह नही

बैकुंठपुर की आम सभा में भीड़ उम्मीद के मुताबिक नही रही यह हम नही बल्कि खुद प्रदेश भाजपा का सोशल मीडिया पेज देखकर कहा जा सकता है। सोशल मीडिया पेज पर नजर डाली जाए तो पता चलता है कि परिवर्तन यात्रा के दौरान विभिन्न जगहो पर आयोजित सभा को लाईव वीडियो के बाद फोटो के साथ भी अपडेट मिलता है,लेकिन बैकुंठपुर की सभा को उसमे कही कोई स्थान नही मिलना अपने आप में सवालिया निशान है। और काफी कम भीड़ को लेकर संगठन के नेताओं को भी अपने गिरेबान में झांकना चाहिए कि सिर्फ मै,मै और मैं से किसी भी संगठन को नही चलाया जा सकता। सब को साथ लेकर ही किसी भी संगठन को मजबूत किया जा सकता है।

शैलेष समर्थको ने की जोरदार नारेबाजी

पूरे कार्यक्रम के दौरान शैलेष शिवहरे समर्थको को नारेबाजी करते हुए देखा गया,नेताद्वय के साथ समर्थको ने श्री शिवहरे के पक्ष में भी नारेबाजी करते देखा गया,हलाकि कार्यक्रम स्थल पर नारेबाजी देखकर भाजपा जिलाध्यक्ष के तेवर गरम थे उन्होने मंच से ही खरीखोटी भी सुनाई और व्यक्ति के पक्ष मे नारेबाजी न करने की नसीहत दी,यह अलग बात है कि नसीहत देने के बाद भाजपा जिलाध्यक्ष द्वारा पूर्व मंत्री भैयालाल राजवाड़े के पक्ष मे नारेबाजी कराई गई,इससे पार्टी में गुटबाजी भी स्पष्ट देखने को मिली। जिलाध्यक्ष की नाराजगी का वीडियो भी सोशल मीडिया में मौजूद है।

दूसरे दिन भी किया स्वागत और निकाली रैली

परिवर्तन यात्रा के दूसरे दिन प्रस्थान के वक्त शैलेष शिवहरे ने एकबार फिर शक्ति प्रदर्शन का सिलसिला जारी रखा और सुबह अपने समर्थको के साथ सुरमी चैक पहुंच वहां सबसे पहले यात्रा मे शामिल नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल,पूर्व गृह मंत्री रामसेवक पैकरा,प्रदेश महामंत्री ओपी चैधरी,मोतीलाल साहू समेत अन्य नेताओं का जोरदार स्वागत किया और इसके बाद अपने सैकड़ो समर्थकों के साथ मोटर सायकल रैली निकालकर बंजारीडांड़ तक जाकर रथ को विदा किया। शैलेष शिवहरे की उक्त कार्यशैली से नेताद्वय भी काफी प्रभावित हुए।

कुड़ेली से हुई स्वागत की शुरूआत

भाजपा की परिवर्तन यात्रा का कोरिया जिले में आगमन कुड़ेली क्षेत्र से हुआ,यहां पर भी भाजपा जिला उपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे ने स्वागत गेट लगाकर यात्रा का स्वागत किया। उनके नेतृत्व में कार्यकर्ताओ ने यात्रा में पहुंचे नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल,पूर्व गृह मंत्री रामसेवक पैकरा,रामविचार नेताम,मोतीलाल साहू,अनुराग सिंहदेव आदि नेताओं का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।

कंचनपुर चैक में हुआ स्वागत

कुड़ेली से आगे बढकर यात्रा कंचनपुर चैक पहुंची यहां भी बड़ी संख्या में शैलेष समर्थको ने जोशिला स्वागत किया और शैलैष शिवहरे के पक्ष में नारेबाजी की। करमा दल के साथ ही बड़ी संख्या में युवा व महिलओं ने शैलेष शिवहरे के नेतृत्व में स्वागत किया।

स्वागत द्वारा भी लगाये गए

विधानसभा की दावेदारी कर रहे भाजपा जिला उपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे ने शक्ति प्रदर्शन में खुद को मजबूत साबित किया है,उनके द्वारा कुड़ेली से लेकर बैकुंठपुर तक जगह-जगह स्वागत द्वार बनवाये गए थे,भाजपा संगठन या कि अन्य किसी भी नेता द्वारा इस प्रकार की तैयारी परिवर्तन यात्रा के लिए नही की गई थी यह बात भी चर्चा का विषय रहा। परिवर्तन यात्रा में शामिल अन्य नेता भी शैलेष शिवहरे की इस तैयारी की चर्चा करते देखे गए।

टी शर्ट और मुखौटा में नजर आए शैलेष समर्थक

परिवर्तन यात्रा में शैलेष समर्थको को उनकी फोटो बनी टी शर्ट और मुखौटा पहने भी देखा गया। बड़ी संख्या में समर्थक शैलेष शिवहरे के रंग में रंगे नजर आए यह भी शक्ति प्रदर्शन का बड़ा रूप था,संभवतःसरगुजा संभाग में किसी भी दावेदार द्वारा किया गया यह पहला प्रयास था।

कमल का फूल किया गया भेंट

शैलेष शिवहरे ने परिवर्तन यात्रा का शहर पहुंचने पर एक बार फिर अपने सैकड़ो समर्थको,युवाओं महिलाओं को साथ लेकर फौव्वारा चैक के पास आतिशी स्वागत किया,यहां नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती नविता शिवहरे महिला कार्यकर्ताओं के साथ स्वंय मौजूद थीं,महामाला,आतिशबाजी और गगनभेदी नारो के साथ मांदर की थाप पर नेताओ का जोशिला स्वागत भी चर्चा का विषय बना रहा। भारतीय जनता पार्टी का चुनाव चिन्ह कमल का फूल है और कमल का फूल शैलेष शिवहरे ने यात्रा की अगुवाई कर रहे नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल को रथ में भेंट कर उनका स्वागत किया,शैलेष समर्थको ने हाथ में कमल का फूल लेकर फौव्वारा चैक से नगरपालिका कार्यालय तक रैली की शक्ल में रथ के आगे आगे पहुंचे और जोरदार नारेबाजी श्री शिवहरे के समर्थन में की गई।

मोटर सायकल निकालकर हुआ स्वागत

भाजपा जिला उपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे ने बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को एकत्र कर मोटर सायकल रैली भी निकाली,बैकुंठपुर से वे कार्यकर्ताओ को लेकर कंचनपुर चैक तक गए और स्वागत के उपरांत मोटर सायकल रैली निकालकर यात्रा को पुनःबैकुंठपुर तक लाया गया।

प्रदेश में विकास का कमल खिलाने के उद्देश्य से निकाली जा रही परिवर्तन यात्रा : डॉ.राजीव

-संवाददाता-
कोरबा,20 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

भाजपा ने प्रदेश में परिवर्तन यात्रा विकास का कमल खिलाने के उद्देश्य से निकाली जा रही है। यह यात्रा प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित 16 लाख लोगों को छत दिलाने, शराब घोटाला से मुक्ति दिलाने, धर्मांतरण व आपराधिक घटनाओं, नक्सलियों के टारगेट किलिंग से मुक्ति दिलाने , वर्तमान प्रदेश सरकार द्वारा सरकारी नौकरी के नाम पर प्रदेश में घोटाला किया गया , युवाओं को बेरोजगारी से मुक्ति दिलाने को लेकर यह परिवर्तन यात्रा निकाला जा रहा है। इस यात्रा के माध्यम से प्रदेश में पुन- भाजपा की सरकार बनाने जनता से करबद्ध निवेदन कर रहे हैं। प्रदेश की जनता भ्रष्टाचार, घोटाला व माफिया राज से त्रस्त हो चुकी है जिसके लिए अब जनता प्रदेश में परिवर्तन चाह रही है।

उक्त बातें प्रेस क्लब तिलक भवन में पत्रकारवार्ता के दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ.राजीव सिंह ने कही। उन्होंने बताया कि परिवर्तन यात्रा की शुरूआत दो चरणों में हुई है। पहला 12 सितंबर को दंतेवाड़ा से और दूसरा 16 सितंबर को जशपुर से शुरू हुई है। ,परिवर्तन यात्रा 27 को बिलासपुर पहुंचेगी जहां दोनों यात्राओं का समागम के साथ वृहद आम सभा आयोजित किया जाएगा। जशपुर से निकली परिवर्तन यात्रा 21 सितंबर सुबह 10.30 बजे पालीतानाखार विधानसभा क्षेत्र के पसान पहुंचेगी। जहां यात्रा का भव्य स्वागत किया जाएगा। सुबह 11 बजे लैंगा में आमसभा आयोजित है। यात्रा का नेतृत्व विधानसभा नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल करेंगे। मुख्य अतिथि केन्द्रीय मंत्री व होशियारपुर सांसद सोमप्रकाश होंगे। तत्पश्चात यात्रा दोपहर 1.15 बजे कटघोरा विधानसभा अंतर्गत बिंझरा पहुंचेगी साथ ही कसनिया से बाइक रैली निकाली जाएगी वहीं कटघोरा मीनाबाजार में आम सभा आयोजित किया गया है। कटघोरा से यात्रा छुरी पहुंचेगी जहां यात्रा का स्वागत किया जाएगा। कोरबा विधानसभा के आगमन पर दर्री में स्वागत और घंटाघर में आम सभा के बाद रात्रि विश्राम कोरबा में ही होगा। अगले दिन 22 सितंबर को सुबह 8.30 बजे समाज प्रमुखों से चर्चा की जाएगी। मंदिर दर्शन के बाद कोरबा विधानसभा क्षेत्र से यात्रा रामपुर विधानसभा के लिए निकलेगी। जहां उरगा, नोनबिर्रा और भैसमा में स्वागत किया जाएगा। इस दौरान हाईस्कूल मैदान करतला में आम सभा आयोजित किया गया है। दोपहर 12.45 बजे कुदमुरा से यात्रा रायगढ़ के लिए प्रस्थान करेगी। प्रेसवार्ता में कोरबा विधानसभा प्रत्याशी लखनलाल देवांगन, गोपाल मोदी, अशोक चावलानी, हितानंद अग्रवाल सहित अन्य उपस्थित थे।

राजस्व मंत्री के घोषणाओं को मैं करूंगा पूराः लखनलाल

भाजपा प्रत्याशी लखनलाल देवांगन ने कहा कि जयसिंह अग्रवाल 15 साल से विधायक हैं, 05 साल से प्रदेश में मंत्री हैं तब उन्होंने विकास कार्य नहीं किया अब विदाई की बेला में समाज के लिए घोषणाएं कर रहे हैं। इतनी जल्दी में घोषणाएं पूरी नहीं हो सकती। जयसिंह अग्रवाल केवल जनता को गुमराह कर रहे हैं। क्योंकि इतने कम समय में राजस्व मंत्री की घोषणाएं पूरी नहीं हो सकती। जनता का आशीर्वाद मिला तो विधायक बनकर उनकी घोषणाओं को मैं पूरा करूंगा। उन्होंने राजस्व मंत्री पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए कहा कि इस बार धन बल और जनबल की लड़ाई है और जनता जनबल को अपना आशीर्वाद देगी।

स्वच्छता के साथ कर्मचारियों की सुरक्षा भी आवश्यक,सिखाये गए सुरक्षा के उपाय

-संवाददाता-
कोरबा,20 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का नगर निगम कोरबा आयुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगई के मार्गदर्शन में आयोजन किया गया जिसमें वर्ल्ड विजन इंडिया से आए हुए पदाधिकारी श्रीमती निधि सेन के द्वारा सफाई मित्रों को स्वास्थ्य एवं सुरक्षा उपकरण के उपयोग किए जाने हेतु प्रशिक्षण दिया गया जिसमें समय-समय पर उनका स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया जाना है। दिनांक 20 सितंबर 2023 को वार्ड क्रमांक 21 स्थान सियान सदन मे विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाया गया जिसमें सफाई मित्रों स्वच्छता दीदीयों एवं उनके परिवार के सभी सदस्यों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया द्य दिनांक 21 सितंबर 2023 को इंदिरा स्टेडियम में स्वास्थ्य शिविर लगाया जाएगा उसके बाद बाकीमोंगरा में भी यह अभियान चलाया जाएगा एवं शासन की महत्वाकांक्षी योजना के बारे में भी उनको अवगत कराया जाएगा द्य इस कार्यक्रम में कुल 56 सफाई मित्रों द्वारा प्रशिक्षण लिया गया। इसके साथ ही साथ सफाई मित्रों को वीडियो के माध्यम से इससे होने वाली लाभ एवं हानि के बारे में विस्तार से जानकारी देने के साथ ही सफाई के कीट उपकरण के प्रयोग करने के तरीके भी बतलाए गए द्य प्रशिक्षण के दौरान नगर निगम कोरबा के अपर आयुक्त श्री खजांची कुम्हार, स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर संजय तिवारी, वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक श्री सुनील कुमार वर्मा, स्वच्छ भारत मिशन के जिला समन्वयक श्री गौरव सिंह, श्री धनमोहन रात्रे, सभी जोन के स्वच्छता निरीक्षक, सफाई ठेकेदार व उनके कर्मचारी भी उपस्थित थे।

केंदई रेंज में हाथियों की संख्या पहुंची 48,हाथियों के व्यवहार पर रखी जा रही है नजर

-संवाददाता-
कोरबा,20 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

कटघोरा। वन मंडल का केंदई रेंज इन दिनों हाथियों के मामले में हाट स्पाट बना हुआ है। यहां 48 की संख्या में हाथी तीन अलग-अलग स्थानों पर विचरण कर रहे है और खेतों में पहुंचकर फसलों को नुकसान पहुंचा रहे है । एक दल परला के जंगल में है जिसमें हाथियो की संख्या 06 के लगभग बतायी जा रही है जबकि दूसरे दल में 41 हाथी है जो कोरबी सर्किल के जंगल में घूम रहे है। वहीं खतरनाक लोनर हाथी लालपुर पहुंच गया है। केंदई रेंज में मौजूद हाथियों के बीती रात उत्पात मचाते हुए तीनों स्थानों पर फसल को रौंद दिया है। इस बीच सूरजपुर क्षेत्र से ट्रैकिंग विशेषज्ञों के नेतृत्व में पांच सदस्यीय दल केंदई परिक्षेत्र पहुंचा है जो लोनर हाथी की ट्रैकिंग कर उसके व्यवहार का अध्ययन भी कर रहें है। दल में एक महावत भी शामिल है जो प्रशिक्षित कुमकी हाथी की देखरेख करता है। इसके अलावा थर्मल ड्रोन के जरिए लोनर की निगरानी की जा रही है। ड्रोन कैमरा भी लोनर के लोकेशन का लगातार फोटो भेज रहा है साथ ही ट्रेंकिग दल लगातार लोनर हाथी पर नजर बनाए हुए है जिससे उसे गांव में जाने से रोका जा सके। जानकारी के अनुसार ट्रैकिंग दल के साथ पहुंचे महावत लोनर के व्यवहार का अध्ययन करने के बाद यह तय करेगा की इसे नियंत्रित करने के लिए प्रशिक्षित कुमकी हाथी की आवश्यकता पड़ेगी अथवा नहीं यदि उन्हें यह लगेगा की लोनर को झुंड में शामिल करने के लिए कुमकी हाथी की आवश्यकता है तो वें उसे लेकर यहां पहुंचेंगे और लोनर को नियंत्रित कर क्षेत्र में मौजूद हाथियों के दल में शामिल करेगें। वहीं कोरबा वन मंडल के पसरखेत रेंज में 09 हाथी मदनपुर के आस-पास घूम रहे है।

एसआरवीएम से राष्ट्रस्तरीय प्रतियोगिता के लिए दो खिलाड़ी चयनित

-संवाददाता-
सूरजपुर,20 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

23वीं राज्य स्तरीय क्रीडा प्रतियोगिता का आयोजन अलग-अलग विधाओं में इस समय छत्तीसगढ़ में किया जा रहा है।जिसमें खिलाड़ी अपने खेल प्रतिभाओं का प्रदर्शन कर रहे हैं । नगर की अग्रणी शिक्षण संस्थान साधुराम विद्या मंदिर सूरजपुर के खिलाड़ियों ने ताइक्वांडो एवं तलवारबाजी में कुल 7 मेडल प्राप्त किया हैं । राज्य स्तरीय फेंसिंग (तलवारबाजी) प्रतियोगिता का आयोजन बलौदा बाजार में 14 से 17 सितंबर तक किया गया था । विद्यालय से सरगुजा संभाग का प्रतिनिधित्व करते हुए 9 खिलाड़ियों ने भाग लिया था, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कक्षा आठवीं के कैलाश कुमार को गोल्ड मेडल प्राप्त हुआ है। वही कक्षा ग्यारहवीं आन्या सिंह,ईशा ठाकुर, लरेब हाशमी तथा प्रियांजली कुशवाहा को अलग-अलग आयु वर्ग में ब्रांज मेडल प्राप्त हुआ है।अन्य विधा में राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन कोरबा में किया गया था जिसमें शानदार प्रदर्शन करते हुए एस एस आर वी एम ताइक्वांडो मार्शल आर्ट अकादमी के दीपक कुमार को गोल्ड मेडल एवं सारिका द्विवेदी को सिल्वर मेडल प्राप्त हुआ है। अपने विधा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए कक्षा आठवीं के कैलाश कुमार का चयन बस्तर में होने वाले राष्ट्रीय स्तरीय फेंसिंग प्रतियोगिता के लिए किया गया है।वहीं ताइक्वांडो में भी बेहतरीन प्रदर्शन के लिए दीपक कुमार का चयन राष्ट्रीय स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए किया गया है।

सूचना

सूचित किया जाता है कि हमारे पार्टनरशीप फर्म मेसर्स अशोक सिंह रजिस्टर्ड कार्यालय-महिला मण्डल कॉम्पलेक्स अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0) से पार्टनर में मॉ शाकाम्भरी इन्फ्र टेक प्राईवेट लिमिटेड अम्बिकापुर (छ0ग0) दिनांक 01-04-2022 से अलग हो गया है। उक्त दिनांक से वे हमारे फर्म में भागीदार नहीं हैं और हमारे फर्म से उक्त पार्टनर का कोई भी लेना-देना नहीं है।

सूचनार्थ
पार्टनर
मेसर्स अशोक सिंह
पार्टनर शिप फर्म

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा.प्र.क्र/.../अ-20(3)/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विनोद अग्रवाल पिता दुलली अग्रवाल निवासी अग्रसेन वार्ड अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला सदर रोड नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर-11 क स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 3196/4817/3 ख रकबा 0.01 1/2 एकड भूमि को बैक में बंधक रखकर ऋण प्राप्त करने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र मय शपथ पत्र, मेंटेनेंस खसरा की छायाप्रति के साथ पेश किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 27/09/2023 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा

आज दिनांक 13/09/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी किया।

सील | नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा.प्र.क्र/.../अ-20(3)/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती किरण अग्रवाल पति विनोद अग्रवाल निवासी अग्रसेन वार्ड अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला सदर रोड नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर-11 क स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 3196/4817/3 ख /1 रकबा 0.01 1/2 एकड भूमि को बैक में बंधक रखकर ऋण प्राप्त करने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र मय शपथ पत्र, मेंटेनेंस खसरा की छायाप्रति के साथ पेश किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 27/09/2023 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा

आज दिनांक 13/09/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी किया।

सील | नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

न्यायालय,अनुविभागीय अधिकारी (रा) अम्बिकापुर जिला-सरगुजा,छ.ग.

ईश्तहार

रा.प्र.क्र..../अ-2/2022-23

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक लीमा कुजूर पत्नी चन्द्रभानु जाति उरांव/नगर कुनकुरी जिला जशपुर (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वमित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम सरगंवा तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 613/2 रकबा 0.036 हे0 भूमि को कृषि भिन्न,आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि बी-1, खसरा,नक्शा, पंचायत प्रस्ताव, सेटलमेन्ट, रजिस्ट्री की प्रति आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति संस्था को कोई आपत्ति हो, तो वे निर्धारित सुनवाई तिथि 29/09/2023 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेखन के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्त के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात् दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 13.09.2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन पदमुद्रा से जारी।

सील | अनुविभागीय अधिकारी (रा) अम्बिकापुर

CMYK

ओलंपिक के लिए क्वॉलीफाई करने के लक्ष्य के साथ भारतीय महिला हॉकी टीम एशियाई खेलों के लिए रवाना

बेंगलुरु,20 सितंबर 2023। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता ने टीम के हांगझोउ रवाना होने से पहले कहा कि उनकी टीम एशियाई खेलों में अच्छा प्रदर्शन करके अगले साल पेरिस में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई करना चाहेगी।

भारतीय महिला हॉकी टीम 23 सितंबर से शुरू होने वाले एशियाई खेलों के लिए मंगलवार की रात को रवाना हुई।

भारतीय टीम को कोरिया, मलेशिया, हांगकांग चीन और सिंगापुर के साथ पूल ए में रखा गया है। जापान, चीन, थाईलैंड, कजाकिस्तान और इंडोनेशिया को पूल बी में रखा गया है। प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम पेरिस ओलंपिक में जगह बनाएगी।

भारत अपना पहला मैच 27 सितंबर को सिंगापुर के खिलाफ खेलेगा

विता ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, हमने लंबे समय तक चले राष्ट्रीय शिविर में कड़ी मेहनत की है और उन क्षेत्रों पर ध्यान दिया है जिनमें हमें सुधार करने की जरूरत है। हमने अपने मजबूत पक्षों और विपक्षी टीमों के हिसाब से अपनी रणनीति तैयार कर ली है।

न्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि यह टूर्नामेंट हमारे लिए अच्छा रहेगा और हम सकारात्मक परिणाम हासिल करेंगे। हमारा लक्ष्य 2024 में होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना है और इसलिए हम इस बात से अच्छी तरह वाकिफ हैं कि यह टूर्नामेंट कितना महत्वपूर्ण है और हमें अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए क्या करना है।

भारतीय महिला टीम में गोलकीपर सविता और बिचू देवी खारीबाम शामिल हैं। दीप ग्रेस एक्का, इशिका चौधरी, निक्की प्रधान और उदिता रक्षा पंक्ति जबकि सुशीला चानू, मोनिका, नवनीत कौर, नेहा, निशा, सलीमा टेटे, सोनिका और वैष्णवी विट्ठल फाल्के मध्य पंक्ति की जिम्मेदारी संभालेंगी। अग्रिम पंक्ति में दीपिका, लालरेम्सियामी, संगीता कुमारी और वंदना कटारिया को शामिल किया गया है।

टीम की उप कप्तान दीप ग्रेस एक्का ने कहा, हमारी टीम अनुभव और युवा का अच्छा मिश्रण है। सभी खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए आतुर है तथा मैदान पर अपना कौशल दिखाने के लिए मानसिक रूप से अच्छी तरह से तैयार हैं।

सिंगापुर के खिलाफ शुरुआती मैच के बाद भारतीय टीम का सामना 29 सितंबर को मलेशिया, एक अक्टूबर को कोरिया और तीन अक्टूबर को हांगकांग चीन से होगा।

एडिडास ने लॉन्च की वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया की नई जर्सी

नई दिल्ली,20 सितंबर 2023। अगले महीने से भारत में आयोजित होने वाले आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 के लिए भारतीय टीम की नई जर्सी लॉन्च हुई। दरअसल, एडिडास ने वर्ल्ड कप के लिए भारत की नई जर्सी का अनावरण किया। इसमें कई बदलाव किए गए हैं। साथ ही इसमें तीन पट्टियों की जगह चमकीले तिरंगे को दिखाया गया है।

दरअसल, बहुप्रतीक्षित जर्सी को फेमस सिंगर रफ्तार ने 3 का ड्रीम गीत के माध्यम से जारी किया गया है। 3 का ड्रीम उन लाखों फैंस का प्रतीक है जो 1983 से 2011 के बाद अपनी टीम को तीसरा वनडे वर्ल्ड कप जीतते हुए देखना चाहते हैं।

एडिडास ने भारत में खेले जाने वाले इस मेगा इवेंट का जश्न मनाने के लिए मेन इन ब्लू जर्सी में बदलाव किए हैं। इस नई जर्सी में कंधों पर तीन सफेद धारियों की जगह चमकीले तिरंगे को रखा गया है। छाती के बाई ओर बीसीसीआई के लोगों में अब दो सितारे हैं, जो भारत की वनडे वर्ल्ड कप जीत को दर्शाते हैं।

मोहम्मद सिराज बने दुनिया के नंबर वन ओडीआई गेंदबाज

एशिया कप फाइनल में मचाया था तूफान

नई दिल्ली,20 सितंबर 2023। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज वनडे फॉर्मेट में दुनिया के नंबर वन गेंदबाज बन गए हैं। ये उपलब्धि उन्हें हाल ही में संपन्न हुए एशिया कप फाइनल में करिश्माई प्रदर्शन करने पर मिली है। बता दें कि, सिराज ने एशिया कप फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ 7 ओवरों में महज 21 रन देकर 6 विकेट झटके थे।

दूसरी बार नंबर वन पर काबिज सिराज

आईसीसी की वनडे रैंकिंग में सिराज ने पहला स्थान किया है। हालांकि, इससे पहले साल की शुरुआत यानी जनवरी में भी उन्होंने इस रैंकिंग में पहला स्थान किया था। जिसके बाद मार्च में जोश हेजलवुड ने उन्हें रिप्लेस कर दिया था।

वहीं उन्होंने महज 16 गेंदों में पांच विकेट अपने नाम भी किए थे। इसके बाद ही बुधवार को जारी हुई आईसीसी रैंकिंड में सिराज ने आठ पायदान की लंबी छलांग लगाते हुए 694 रेटिंग के साथ पहले नंबर पर अपना कब्जा किया है।

वहीं पहले नंबर पर जोश हेजलवुड 678 रेंटिंग के साथ अब दूसरे नंबर पर फिसल गए हैं। जबकि तीसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट 677 रेटिंग के साथ हैं। बोल्ट भी सिराज के ऊपर आने से एक पायदान नीचे खिसक गए हैं। इसके अलावा भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव तीन पायदान नीचे 9वें पायदान पर हैं।

साथ ही दक्षिण अफ्रीका के स्पिन गेंदबाज केशव महाराज भी अपने हालिया प्रदर्शन के बाद रैंकिंग में लंबी कूद के साथ 15वें नंबर पर आ गए हैं।

एशियन गेम्स में भारत के लिए गोल्ड मेडल जीतने के टॉप दावेदार

हांगझू ,20 सितंबर 2023।चीन के हांगझू में 23 सितंबर से एशियन गेम्स का आगाज होने जा रहा है। वहीं इस इवेंट में खेले जा रहे खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व 656 एथलीट करेंगे। इस बार भारत की ओर से सबसे बड़ा दल देश का प्रतिनिधित्व करने जा रहा है। ऐसे में भारतीय खिलाड़ियों से प्रभावशाली प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। इन गेम्स में नीरज चोपड़ा से लेकर बजरंग पूनिया जैसे एथलीट हिस्सा ले रहे हैं जो देश के लिए पदक ला सकते हैं।

नीरज चोपड़ा

मेडल के सबसे बड़े दावेदार के रूप में नीरज चोपड़ा पहले नंबर पर हैं। टोक्यो ओलंपिक में देश को गोल्ड मेडल दिलाने वाले नीरज एशियन गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। 25 वर्षीय जैवलिन थ्रो खिलाड़ी ने इस सीजन में जैवलिन थ्रो में अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने डायमंड लीग में 88.67 मीटर और 87.66 मीटर थ्रो किया था। वहीं, वर्ल्ड चैंपियनशिप में भी उन्होंने 88.17 मीटर की थ्रो के साथ गोल्ड मेडल अपने नाम किया था।

मीराबाई चानू

वहीं इस लिस्ट में दूसरा नाम महिला वेटलिफ्टर मीराबाई चानू का है। टोक्यो ओलंपिक की सिल्वर मेडललिस्ट 49 किलोग्राम भार वर्ग में हिस्सा लेंगी। 29 वर्षीय खिलाड़ी का लक्ष्य सीधा गोल्ड मेडल होगा। अगर वो ऐसा करने में कामयाब हो जाती हैं तो भारत के लिए इस स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली वेटलिफ्टर बन जाएंगी। मीराबाई ने हाल ही में वर्ल्ड चैंपियनशिप भी जीती है। वहीं, उनके करियर में अभी तक एशियन गेम्स का मेडल है जो उन्होंने अभी तक नहीं जीता है।

बजरंग पूनिया

एशियन गेम्स में पिछले सत्र में कुश्ती में भारत की ओर से एकमात्र खिलाड़ी बजरंग पूनिया ही गोल्ड मेडल हासिल करने वाले पहलवान थे। बजरंग ने टोक्यो ओलंपिक में भी कांस्य पदक अपने नाम किया था। इसके बाद अब उनका लक्ष्य हांगझू में होने वाले एशियन गेम्स में गोल्ड जीतना है। वहीं रवि दहिया एशियन गेम्स के लिए क्वालिफाई करने में असफल रहे थे। ऐसे में देश की नजरें सिर्फ बजरंग पूनिया पर टिकी हैं। बता दें कि, बजरंग को ट्रायल में छूट मिली थी।

निखत जरीन

27 वर्षीय महिला मुक्केबाज निखत जरीन एशियन गेम्स में अपना डेब्यू करने जा रही हैं। पिछले दो सालों में उन्होंने भारत की सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाज बनकर अभरी हैं। वर्ल्ड चैंपियशिपन 2022 में चैंपियन बनकर उन्होंने काफई सुर्खियां बटोरी थई। वहीं इसी साल उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। इसके अलावा वो साल के शुरुआत में वर्ल्ड चैंपियशिप टाइटल को बचाने में भी कामयाब रही हैं। जिसके बाद एशियन गेम्स में भी उनसे गोल्ड की उम्मीदें की जा रही हैं।

प्रणय

भारतीय शटलर प्रणय इन दिनों बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं। बीडब्लूएफ टूर में अपने शानदार प्रदर्शन की बदौलत रैंकिंग में काफी सुधार किया है। साल की शुरुआत में प्रणय ने मलेशियाई मास्टर्स खिताब अपने नाम किया और ऑस्ट्रेलियन ओपन में उपविजेता रहे। वर्ल्ड चैंपियनशिप 2023 में उन्होंने ब्रांज मेडल अपने नाम किया था। बैडमिंटन ही एकमात्र खेल है जो अबतक एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने में नाकामयाब रहा है। ऐसे में शटलर प्रणय से एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल की उम्मीदें हैं।

वर्ल्ड कप 2023 में नहीं बनेंगे बड़े स्कोर

नई दिल्ली,20 सितंबर 2023। आईसीसी ने तैयार किया खास प्लान नई दिल्ली वर्ल्ड कप 2023 की शुरुआत 5 अक्टूबर से हो रही है. पहला मैच इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा. विश्व कप की शुरुआत से पहले आईसीसी ने पिच क्यूरेटर्स को ग्राउंड को लेकर कई निर्देश दिए हैं. आईसीसी के एक सोर्स ने आईसीसी द्वारा लाए नए नियम के बारे में जानकारी दी. आईसीसी ने पिच क्यूरेटर्स को निर्देश देते हुए कहा है कि वर्ल्ड कप में बाउंड्री की लंबाई अब 70 मीटर से ज्यादा होनी चाहिए. ऐसा बैट और बॉल के बीच सही तालमेल बिठाने को लेकर किया जा रहा है. भारतीय पिच पर स्पिन गेंदबाजों को थोड़ी ज्यादा मदद मिलती है. आईसीसी ने इसे देखते हुए पिच पर घास ज्यादा रखने का भी आदेश दिया है. ताकि तेज गेंदबाजों को भी थोड़ी मदद मिले. इसे देखते हुए ज्यादातर टीमें अपने प्लेइंग इलेवन में ज्यादा पेसर्स को रखना चाहेगी. आईसीसी के एक सोर्स ने बताया है कि भारत में ईस्ट, वेस्ट और नार्थ जोन वाले वेन्यू में इस समय ड्यू फैक्टर काफी ज्यादा होगा. चेन्नई और बैंगलोर जैसे शहर में बारिश होनी की भी संभावना है. ड्यू स्पिनर्स के लिए काफी मदद करता है लेकिन ज्यादा घास के साथ आप स्पिनर्स के भरोसे नहीं रह सकते. वनडे मैच को दिलचस्प बनाने के लिए बड़े स्कोर की जरूरत नहीं है.।

भारतीय क्लब की शिकायत के कारण क्रिस्टियानो रोनाल्डो को देखने से वंचित रह गए ईरान के प्रशंसक

तेहरान,20 सितम्बर 2023। भारतीय क्लब एफसी गोवा की शिकायत के कारण ईरान के फुटबाल प्रशंसक एशियाई चैंपियंस लीग (एसीएल) के यहां खेले गए मैच में दिग्गज स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो को खेलते हुए देखने से वंचित रह गए। यह मैच खाली स्टेडियम में खेला गया जिसमें रोनाल्डो गोल नहीं कर पाए लेकिन इसके बावजूद सऊदी अरब के उनके क्लब अल नासर ने ईरान के क्लब पर्सेपोलिस को 2-0 से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की।

भारत के क्लब गोवा ने पर्सेपोलिस की 2021 में सोशल मीडिया पर की गई आपत्तिजनक पोस्ट के लिए शिकायत दर्ज की थी जिस पर अमल करते हुए एशियाई फुटबाल परिसंघ ने ईरान के क्लब को एक मैच दर्शकों के बिना खेलने का आदेश दिया था। यही वजह थी कि रोनाल्डो तथा सेडियो माने और मार्सेलो ब्रोजोविच जैसे खिलाड़ियों की मौजूदगी के बावजूद आजादी स्टेडियम खाली पड़ा था। अल नासर की तरफ से दोनों गोल हालांकि सऊदी अरब के खिलाड़ियों ने किए। अब्दुल रहमान ग़रीब ने

60वें मिनट में पहला गोल किया

जबकि डिफेंडर मोहम्मद कासिम ने 12 मिनट बाद स्कोर 2-0 कर दिया।

फुटबॉल प्रेमी रोनाल्डो को खेलते हुए तो नहीं देख पाए लेकिन पुर्तगाल के इस स्टार खिलाड़ी की उपस्थिति से वह बेहद रोमांचित थे। उनकी एक झलक पाने के लिए सैकड़ों संख्या में फुटबॉल प्रशंसक सोमवार को अल नासर के टीम होटल के बाहर पहुंच गए थे। यह सऊदी अरब की किसी टीम का 2015 के बाद ईरान का पहला दौरा था। इस जीत से अल नासर ग्रुप ई में शीर्ष पर पहुंच गया है। ग्रुप के एक अन्य मैच में कतर के अल-दुहैल और ताजिकिस्तान के इस्तिक्लोल ने गोल रहित ड्रा खेला।

अन्य मैचों में दक्षिण कोरिया की टीमइंचियोन यूनाइटेड ने जापानी चैंपियन योकोहामा एफ मैरिनो को 4-2 से हराया। स्टार फॉरवर्ड नेमार की उपस्थिति के बावजूद उज्बेकिस्तानी क्लब नवबहोर ने अल हिलाल को 1-1 से बराबरी पर रोका। सऊदी अरब के चैंपियन अल इत्तिहाद ने स्टार स्ट्राइकर करीम बेंजेमा के बिना भी उज्बेकिस्तान के एजीएमके को 3-0 से पराजित किया।

जवान के बाद अब सलमान और ऋतिक रोशन के साथ फिल्म बनाएंगे एटली!

निर्देशक एटली इन दिनों छाए हुए हैं। फिल्म जवान से उन्होंने बॉलीवुड में अपनी धमाकेदार शुरुआत की है। शाहरुख खान की यह फिल्म इन दिनों फिल्म जगत में छाई हुई है। ऐसे में हर कोई एटली की अगली बॉलीवुड फिल्म के बारे में जानने के लिए उत्सुक है। सवाल यह भी है कि शाहरुख के बाद वह किस अभिनेता के साथ काम करेंगे।अब एटली ने खुद बताया है कि वह किन अभिनेताओं से बात कर चुके हैं।

एटली ने बताया कि वह अपने आगामी प्रोजेक्ट्स के बारे में बॉलीवुड के किस-किस अभिनेता से बात कर चुके हैं।उन्होंने यह भी बताया कि वह क्या चीज है, जो उन्हें किसी अभिनेता के साथ काम करने के लिए आकर्षित करती है।एटली के अनुसार, फिल्म बनाने के लिए प्रोडक्शन, बड़े बजट या महत्वाकांक्षा से ज्यादा जरूरी होती है एक अच्छी स्क्रिप्ट। एक ऐसी स्क्रिप्ट, जिससे लगे कि इस पर काम करना चाहिए। एटली ने बताया कि एक सिनेमा प्रेमी के तौर पर वह लोगों से चर्चाएं करते रहते हैं। उन्होंने कहा, मैंने सलमान सर के साथ बात की थी। मैंने बहुत पहले ऋतिक सर से भी बात की थी। मैं रणवीर सर, रणबीर सर से भी बात कर चुका हूं। विजय (थलापति) सर और अल्लू (अर्जुन) सर से भी मैं चर्चा कर चुका हूं। उन्होंने कहा कि जिसके साथ आपको काम करना पसंद होता है, उसके साथ काम करते हो।

जवान के बाद एटली की अगली बॉलीवुड फिल्म में वरुण धवन नजर आने वाले हैं। फिलहाल इस फिल्म का नाम तय नहीं है और इसे वीडी 18 कहा जा रहा है।यह एक मसाला एक्शन फिल्म होगी, जिसमें वरुण पर्दे पर एक्शन करते नजर आएंगे। वरुण के साथ अभिनेत्री वामिका गब्बी मुख्य भूमिका निभाएंगी। बता दें, वामिका अमेजन प्राइम वीडियो की वेब सीरीज जुबली से चर्चा में आई थीं।यह फिल्म अगले साल मई में रिलीज होगी। वीडी 18 के अलावा एटली एक अन्य प्रोजेक्ट के लिए अल्लू अर्जुन से संपर्क में हैं। इसके लिए वह अल्लू को स्क्रिप्ट भी सुना चुके हैं। इस फिल्म पर कुछ औपचारिकताएं बाकी हैं, जिसके बाद एटली इसका ऐलान कर सकते हैं।कुछ दिन पहले एक बातचीत में उन्होंने कहा था, मैंने अल्लू को अपनी अगली फिल्म की कहानी सुना दी है। अभी उसी पर चर्चा चल रही है। मैं अब आप सभी को बहुत जल्द एक खुशखबरी देने वाला हूं।

जवान के साथ एटली के अलावा अभिनेत्री नयनतारा ने भी बॉलीवुड में कदम रखा है। उन्होंने इस फिल्म में शाहरुख के साथ मुख्य भूमिका निभाई है। विजय सेतुपति ने मुंबईकर से बॉलीवुड के सफर की शुरुआत की थी, लेकिन उन्हें भी लोकप्रियता जवान से मिली।

अनुपमा की बहू किंजल रियल लाइफ में है बेहद बोल्ड, रेड गाउन पहन कराया ग्लैमरस फोटोशूट

टीवी के सबसे पसंदीदा शो अनुपमा में बड़ी बहू का किरदार निभाने वाली किंजल यानी निधि शाह ना सिर्फ अपनी एक्टिंग बल्कि अपने बोल्ड लुक्स से भी आए दिन इंटरनेट पर सनसनी मचाती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर अपने होश खो बैठते हैं। हालिया फोटोशूट में एक्ट्रेस ने अपने बोल्ड अदाओं का जलवा बिखेर कर फैंस को अपने हुस्न का कायल कर दिया है। एक्ट्रेस निधि शाह टीवी का जाना-माना नाम है। उनकी हर एक फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही वायरल होने लग जाती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरों से सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है। इन तस्वीरों में उनकी हॉटनेस देखकर फैंस आहें भरने लगे हैं। बता दें कि एक्ट्रेस ने बेहद ही स्टाइलिश आउटफिट पहना हुआ है। निधा शाह ने अपने इस फोटोशूट के दौरान रेड कलर का डीपनेक गाउन पहना हुआ है। एक्ट्रेस अपने इस लुक में काफी गॉर्जियस नजर आ रही हैं। साथ ही फैंस उनके किलर लुक्स से नजरें नहीं हटा पा रहे हैं। बता दें कि एक्ट्रेस निधि शाह रियल लाइफ में बेहद ही बोल्ड हैं। उनका इंस्टाग्राम इस बात का सबूत है। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। निधि शाह की इंस्टाग्राम फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी तगड़ी है। निधि शाह की इन तस्वीरों पर फैंस जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

फिल्म गणपत से कृति सैनन की पहली झलक आई सामने, दिखा धांसू अवतार

बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पिछले कुछ वक्त से अपनी आने वाली फिल्म गणपत को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं।इसमें उनकी जोड़ी कृति सैनन के साथ बनी है। इससे पहले कृति और टाइगर की जोड़ी साल 2014 में आई फिल्म हीरोपंती में नजर आ चुकी है।अब निर्माताओं ने मंगलवार (19 सितंबर) को गणेश चतुर्थी के खास मौके पर गणपत से कृति की पहली झलक जारी कर दी है, जिसमें वह धांसू अवतार में नजर आ रही हैं।कृति ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर गणपत से अपना पहला पोस्टर साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, वह भयंकर है। वह अजेय है। वह मारने को तैयार है। जस्सी से मिलें। फिल्म में कृति का नाम जस्सी होगा।गणपत ने टाइगर और कृति के अलावा अमिताभ बच्चन भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म 20 अक्टूबर को हिंदी समेत तेलुगू, तमिल, मलयालम और कन्नड़ में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।इसका निर्देशन विकास बहल ने किया है। अभिनेत्री कृति सेनन को हाथों में नन्चक्स पकड़े हुए देखा जा सकता है, जो पट्टियों से ढके हुए हैं.

स्टनर ने अपने अगले लुक के लिए एक्शन से भरपूर अवतार अपनाया है, जो उनके पिछले किसी भी लुक से अलग है. फ़र्स्ट लुक पोस्टर में वह कार्गो पैंट के साथ स्लीवलेस क्रॉप टॉप पहने हुए और हाथों में ननचॉक्स पकड़े हुए दिखाई दे रही हैं. वह कैमरे की ओर तीव्र नजरों के साथ देखते हुए देखी जा सकती हैं. कृति सेनन ने अपने ट्विटर हैंडल पर गणपत से फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर करते हुए पोस्ट कर कैप्शन दिया, वह भयंकर है, वह अजेय है, वह मारने को तैयार है.

पोस्टर जारी होने के तुरंत बाद, नेटिज़न्स ने कमेंट करते हुए उनके नए अवतार के बारे में अपना उत्साह व्यक्त किया. ट्विटर उपयोगकर्ताओं में से एक ने लिखा, कहना होगा कि कृति की फिल्मों का चयन असाधारण है, हमें हर बार उन्हें एक अलग रूप में देखने को मिलता है और वह इसमें जान डाल देती हैं. चाहे वह मिमी के रूप में उनका प्रदर्शन हो और अब जस्सी के रूप में. गणपथ में एक शानदार ब्लॉकबस्टर हो. एक अन्य ने लिखा, कृति जी, आपका प्रदर्शन क्या है, मुझे लगता है कि यह भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी एक्शन फेंचाइजी है. एक नेटिजन ने लिखा, लड़की इसमें नानचॉक्स का यूज कर रही है, जस्सी तुम्हें मार्शल आर्ट करते देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकते. जैकी भगनानी की निर्मित फिल्म गणपत पार्ट 1 का साल 2020 से इंतजार किया जा रहा है। नवंबर 2020 में मेकर्स ने मोशन पोस्टर के साथ फिल्म की अनाउंसमेंट की थी और एलान किया था कि फिल्म 2022 में रिलीज होगी। हालांकि, रिलीज डेट टाल दी गई थी। अब मूवी 20 अक्टूबर 2023 को थिएटर्स में रिलीज होगी।

महिला समृद्धि सम्मेलन

21 सितम्बर, 2023 | जयंती स्टेडियम, भिलाई

बराबरी और भागीदारी
महिला सशक्तीकरण की निभाई जिम्मेदारी

- महिला स्व-सहायता समूहों का 12.77 करोड़ रु का ऋण माफ
- महिला उद्यमियों को व्यापार/उद्यम हेतु 10-50 लाख रु तक की आर्थिक सहायता व अन्य विशेष अनुदान
- राज्य महिला आयोग मद में 5 गुना वृद्धि
- जिला खनिज न्यास मद (DMF) के नीति निर्माण में महिलाओं को ग्राम सभाओं में 50% आरक्षण
- बिहान के अंतर्गत 20 लाख आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की 1.85 लाख महिलाओं को स्व-सहायता समूहों से जोड़ा गया

लैंगिक समानता में देश का अग्रणी राज्य
(एसडीजी सूचकांक 2020-21, नीति आयोग)

देश में महिला-पुरुष लिंगानुपात में अव्वल

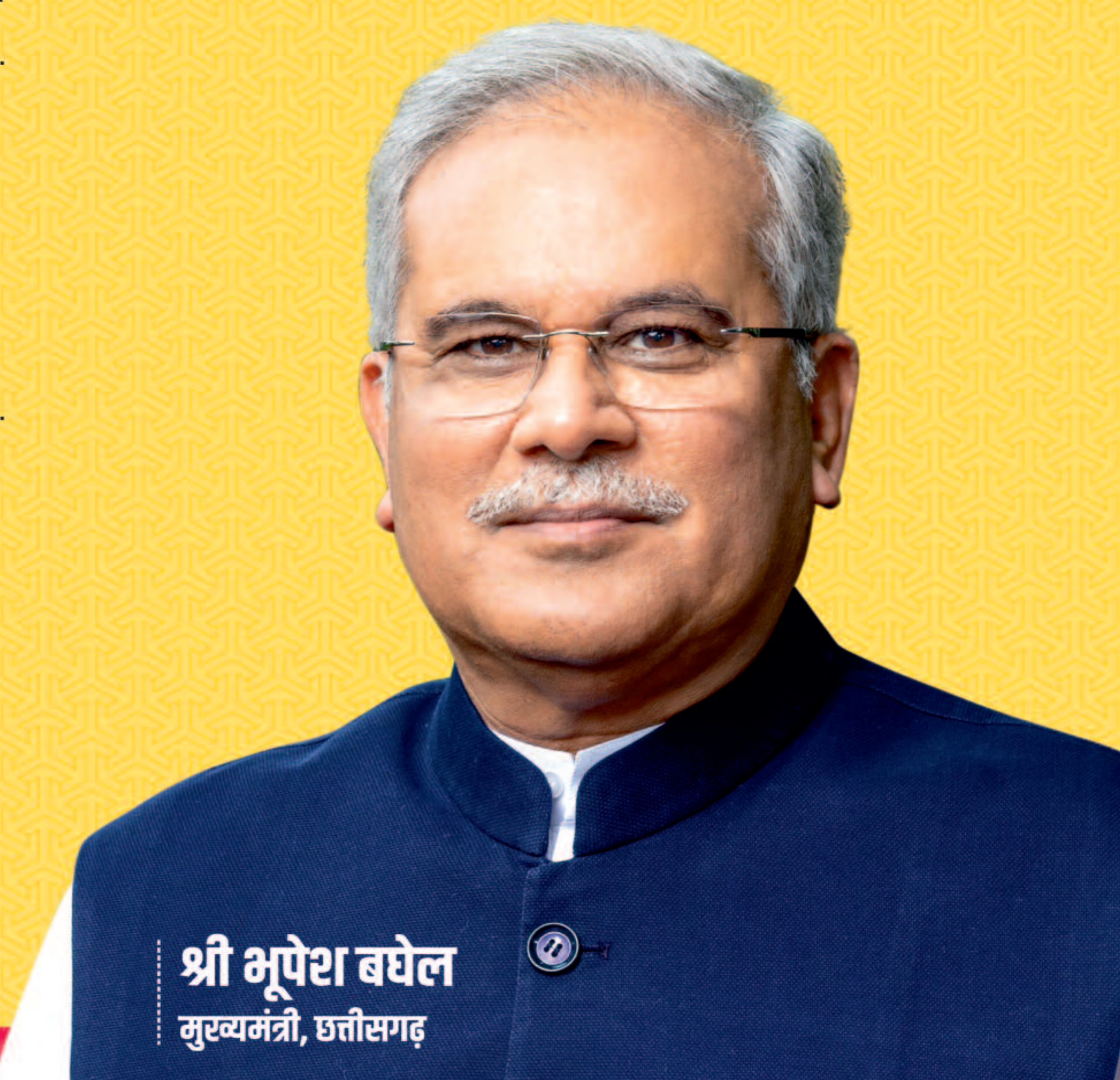

श्री भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

संवाद 38565/61

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)